राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 20 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–240 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नई संसद में लोकसभा का पहला सेशन

नारी शक्ति वंदन बिल पेश किए जाने का एलान

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी के दिन आज नए संसद भवन में पहला दिन है। पीएम नरेंद्र मोदी समेत सभी सांसद पुरानी भवन से पैदल पहुंचे। दोपहर 1.15 बजे सदन के लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कार्यवाही शुरू की। मोदी ने नए भवन में अपने पहले संबोधन में कहा, 'आज महिला आरक्षण बिल लाएगी हमारी सरकार। इसका नाम होगा नारी शक्ति वंदन अधिनियम। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव तो दूर हैं और जितना समय हमारे पास बचा है। मैं मानता हूं कि यहां जो जैसा व्यवहार करेगा, यह निर्धारित करेगा कि कौन यहां बैठेगा, कौन वहां बैठेगा। जो वहां बैठे रहना चाहता है, उसका व्यवहार क्या होगा, इसका फर्क आने वाले समय में देश देखेगा।' कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल इस विधेयक को सदन के पटल पर रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, विधेयक कल यानी 20 सितंबर को लोकसभा से चर्चा के बाद पास हो सकता है। वहीं 21 सितंबर को विधेयक को राज्यसभा में पेश किया जाएगा। पीएम मोदी की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रीमंडल ने इस संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक के तहत महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में आरक्षण दिया जाएगा। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि महिला आरक्षण विधेयक 2010 में लाए गए विधेयक से अलग होगा और इसमें संसद और विधानसभाओं से आगे अन्य निकायों में भी महिलाओं को आरक्षण देने का प्रावधान हो सकता है। ऐसी चर्चा है कि महिला आरक्षण में रोटेशन के आधार पर एक तिहाई सीटों पर महिलाओं को आरक्षण दिया जा सकता है।

बता दें कि साल 1996 से ही महिलाओं को संसद में आरक्षण देने की मांग की जा रही है लेकिन अभी तक ये प्रयास सफल नहीं हो सके हैं। साल 2010 में यूपीए सरकार में भी महिला आरक्षण विधेयक संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में पेश किया गया था। वहां से विधेयक पास भी हो गया था लेकिन सहयोगी पार्टियों को दबाव के चलते यह विधेयक लोकसभा में नहीं लाया जा सका। संसद में एनडीए के बहुमत को देखते हुए इस बार महिला आरक्षण विधेयक के आसानी से पास होने की उम्मीद की जा रही है। विधेयक के तहत महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में एक तिहाई सीटों पर आरक्षण दिया जा सकता है। आम तौर पर कैबिनेट की बैठक बुधवार को होती है लेकिन इस बार यह सोमवार शाम में हुई।

बैठक करीब डेढ़ घंटे चली लेकिन बैठक में क्या फैसले हुए, इसे लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्षी गठबंधन में भी मतभेद उभर सकते हैं। दरअसल इसकी वजह ये है कि कुछ विपक्षी पार्टियां चाहती हैं कि महिला आरक्षण विधेयक में एससी/एसटी और ओबीसी समुदाय के लिए विशेष आरक्षण की मांग कर रही हैं। वहीं कांग्रेस ने जो 2010 में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था, उसमें किसी उप-आरक्षण का प्रावधान नहीं किया गया था। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि नए विधेयक पर विपक्षी पार्टियां कैसी प्रतिक्रिया दे रही हैं।

संक्षिप्त

फिल्म खुफिया का ट्रेलर रिलीज हुआ, लीड रोल में तब्बू

फिल्म खुफिया का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में तब्बू, अली फजल, आशीष विद्यार्थी और वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। ये फिल्म पूर्व फ्अह के यूनिट चीफ अमर भूषण की लिखी किताब एस्केप टू नोवेयर पर बेस्ड है। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में बांग्लादेशी एक्ट्रेस अजमेरी हक बधों भी नजर आएंगी। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। खुफिया 5 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज हैं। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा- यहां हथियार के रूप हैं अलग और जंग है खुफिया! जासूसों की इस दुनिया में, गद्दार को तो सामने लाना ही होगा। ट्रेलर की शुरूआत होती है 2004 में दिल्ली के RAW हेडक्वार्टर ऑफिस के शॉट से। यहां तब्बू जो RAW एजेंट का रोल निभा रही हैं उन्हें पता चलता है कि ऑफिस से कीमती इनफॉर्मेशन लीक हो रही है। तब्बू इस केस की छानबीन में लग जाती हैं। तब्बू ऑफिस स्टाफ के बीच जासूसी कर रहे शख्स की तलाश में जुट जाती हैं और उन्हें अली फजल पर शक होता है। ट्रेलर में आगे केस की इन्वेस्टिगेशन चलती है और ये केस तब्बू को अली फजल की जिंदगी के और भी करीब लेकर जाता है।

पंजाब : सरहिंद नहर में गिरी निजी बस, पांच की मौत

मुक्तसर। पंजाब के मुक्तसर में कोटकपुरा रोड पर गांव झबेलवाली के पास एक निजी कंपनी की बस सरहिंद नहर में जा गिरी। पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा गया है। हादसे में पांच लोगों की मौत की सूचना है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं करीब 10 से अधिक लोग घायल हैं। 40 यात्रियों का रेस्क्यू कर लिया गया है। हादसे के समय बस में 60-65 यात्री सवार थे। घटना दोपहर करीब एक बजे की है। हादसे के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। मौके पर एसएसपी हरमनबीर सिंह गिल और विभिन्न थानों की पुलिस मौजूद है। बस मुक्तसर से कोटकपूरा की तरफ जा रही थी। घटनास्थल पर हलका विधायक जगदीप सिंह काका बराड़ भी पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त बस काफी रफ्तार में थी। बस नहर के किनारे लगे लोहे की ग्रिलों को तोड़ते नहर में जा गिरी है। मुक्तसर हादसे में सीएम भगवंत मान ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि मुक्तसर-कोटकपूरा रोड पर नहर में एक प्राइवेट बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की दुखद खबर...प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं...बचाव कार्य की पल-पल की जानकारी ले रहा हूं...भगवान आप सभी को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करें ... हम बाकी विवरण जल्द ही साझा करेंगे।

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी बोले

आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भूमिका मां यशोदा की तरह

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भूमिका मां यशोदा की तरह है क्योंकि उन्हें मां यशोदा की तरह बच्चों का पालन-पोषण करना होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में 'राष्ट्रीय पोषण माह' के अंतर्गत 1,359 आंगनवाड़ी केंद्रों और 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों के लोकार्पण व शिलान्यास और आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाओं को यूनिफॉर्म हेतु धनराशि अंतरण के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कुपोषित से सुपोषित श्रेणी में आने वाले बच्चों के अभिभावकों को सम्मानित किया और डीबीटी के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकताओं के खाते में 29 करोड़ की राशि हस्तांतरित की। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि यह पोषण माह की छठवीं वर्षगांठ है। कुपोषण का परिणाम ठीक नहीं होता है। 1977 से लेकर 2017 तक प्रदेश में 50 हजार से अधिक बच्चों की मौत इंसेफलाइटिस से हुई थी। इसमें 2018 से कमी हुई। इसी तरह आपसी समन्वय से कुपोषण को भी समाप्त करना होगा। उन्होंने कहा मिशन मोड पर आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। सांसद और विधायक निधि और सीएसआर फंड से भी आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा सकता है।

वाराणसी में तेज बारिश

लखनऊ-कानपुर समेत 29 जिलों में अलर्ट, यूपी में 7 दिनों में मेघालय से भी ज्यादा बरसा पानी

लखनऊ। यूपी में लौटता मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को वाराणसी, लखनऊ और कानपुर में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने 29 जिलों में आज बरसात का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज चमक के साथ तेज हवाएं चलने का अनुमान है। सोमवार की बात करें तो कुशीनगर में सबसे ज्यादा 41 मिमी बारिश हुई। इसके बाद बहराइच में 27 और कानपुर में 24 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बीते 1 हफ्ते की बारिश की बात करें तो यूपी ने देश में सबसे अधिक बारिश वाले राज्य मेघालय को भी पछाड़ दिया है।

यहां पर 95 फीसदी अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश में 7 दिनों में 88.30 मिमी. बारिश हुई। ये औसत बारिश से 45.30 मिमी. ज्यादा है। इस बारिश के चलते धान की फसलों को सबसे अधिक लाभ मिल रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों तक ऐस ही मौसम रहेगा। इस दौरान कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। जिन जिलों में आज बारिश का अलर्ट है। इनमें रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, देवरिया, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गाजीपुर, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, वाराणसी, सोनभद्र, चंदौली शामिल हैं। सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डॉ. रठ सुनील पांडेय के मुताबिक पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवात सक्रिय हो रहा है। ये अभी उत्तर पश्चिम बंगाल में बना हुआ है। इसके चलते देश के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। चक्रवात के अगले दो दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में दक्षिण-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है। यूपी में भी इसका असर देखने को मिलेगा।

नूंह हिंसा के आरोपी कांग्रेस एमएलए को जेल

चंडीगढ़। हरियाणा में हुई नूंह हिंसा के मामले में गिरफ्तार हुए फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को उखट जोगेंद्र सिंह की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उनको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। विधायक मामन अब नूंह जेल में बंद रहेंगे। कोर्ट में दोनों पक्षों के बीच तकरीबन 20 मिनट बहस हुई, इसके बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। नूंह हिंसा में दर्ज केसों की जांच कर रही पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का आरोप है कि कांग्रेस विधायक सहयोग नहीं कर रहे हैं। SIT के अधिकारियों का कहना है कि मामन खान ने अपने दर्ज बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है। इससे जांच पूरी होने में दिक्कतें आ रही हैं। कोर्ट में शिकायत के बाद SIT ने विधायक पर IPC की धारा 180 (कानूनी रूप से आवश्यक होने पर एक लोक सेवक को दिए गए बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करना) के तहत मामला दर्ज किया है। कांग्रेस MLA मामन खान के वकील ताहिर हुसैन देवला ने बताया कि कांग्रेस विधायक की पेशी 137 नंबर FIR में की गई है। पुलिस ने ही ज्यूडिशियल कस्टडी की डिमांड की थी, जिस पर कोर्ट ने विधायक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। देवला ने बताया कि पुलिस ने अब तक जो भी तथ्य दिए हैं, उनमें विधायक के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। कोर्ट में हमारी ओर से पहले भी यह कहा जा चुका है कि विधायक को गलत तरीके से फंसाया जा रहा है।

लश्कर-ए-तैयबा आतंकी उजैर खान मारा गया

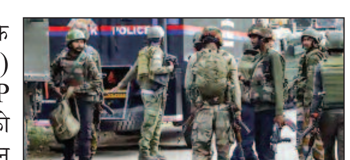

श्रीनगर। अनंतनाग में सुरक्षाबलों के एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा (LET) आतंकी उजैर खान मारा गया। ADGP कश्मीर विजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि उजैर खान आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कंमाडर था। उसकी डेड बॉडी को बरामद कर लिया गया है। ADGP विजय के मुताबिक, गडूल कोकेरनाग में दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। उजैर के अलावा एक और बॉडी देखी गई है। तीसरे आतंकी के शव मिलने की भी संभावना है। एनकाउंटर साइट पर अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है। विस्फोटक होने की संभावना को लेकर स्थानीय लोगों से दूरी रहने की अपील की गई है। इससे पहले सोमवार को सुरक्षाबलों ने जंगल से दो शव बरामद किए थे। इनमें एक की पहचान जवान प्रदीप सिंह के रूप में की गई है। प्रदीप अनंतनाग में मुठभेड़ के पहले दिन 13 सितंबर से लापता थे। इसी दिन कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक और DSP हुमायूं भट अनंतनाग में शहीद हुए थे। पिछले एक हफ्ते के दौरान कश्मीर के अनंतनाग, बारामूला और राजौरी में मुठभेड़ हुई। इसमें 5 जवान शहीद हुए हैं। वहीं, अब तक सात आतंकी मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कश्मीर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच यह अब तक का सबसे लंबा ऑपरेशन है।

लोकसभा चुनावः प्रियंका गांधी और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच हुई मुलाकात, इंडिया गठबंधन में आ सकती है बसपा

लखनऊ। विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया में बसपा को लाने के अंदरखाने प्रयास किए जा रहे हैं। सब कुछ इसी तरह से चलता रहा तो पांच राज्यों के चुनाव के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है। इसमें कांग्रेस सूत्रधार की भूमिका में हैं। कवायद के तहत दोनों ओर के प्रथम परिवारों के बीच कई राउंड की बातचीत भी हो चुकी है। लोकसभा चुनाव जीतने के लिए इंडिया गठबंधन कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। बसपा को साथ लाने की कोशिशें उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। यूपी के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और बसपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था। तब यह बातचीत अपने मुकाम तक तो नहीं पहुंच सकी थी, लेकिन तब से दोनों के बीच संवाद बना हुआ है। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक पिछले महीने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच मुलाकात भी हो चुकी है। बसपा की ओर से अब नेतृत्व के पारिवारिक हो चुके एक पूर्व सांसद की भी इसमें अहम भूमिका बताई जा रही है। यूपी के विधानसभा चुनाव से पहले बसपा-कांग्रेस की गठबंधन की खिचड़ी पकने के बावजूद विघ्न आ गए थे। तब तय हुआ था कि विधानसभा की 125 सीटों पर कांग्रेस और शेष 278 सीटों पर बसपा लड़ेगी। खबरें लीक हुई और फिर सत्ता पक्ष की ओर से ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी गईं कि कदम पीछे खींचने पड़े। चुनाव के बाद राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से कहा भी था कि हम बसपा को आगे रखकर यूपी में विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, पर वह तैयार नहीं हुई। इस बार लोकसभा चुनाव के ऐन पहले ही आधिकारिक रूप से घोषणा करने की रणनीति है। इस सारी कवायद में एक पहलू यह भी है कि क्या इंडिया में बसपा के आने से सपा सहज रहेगी। कांग्रेस नेतृत्व, यूपी में बसपा को साथ लाने में ज्यादा रुचि ले रहा है। इसकी वजह है कि बसपा के पास अभी भी अपना ठोस 10-12 फीसदी वोट बैंक है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का बागेश्वर (उत्तराखंड) विधानसभा सीट को लेकर सपा के खिलाफ दिया गया बयान भी इसी कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि अजय राय ने यह बयान हाईकमान से इशारा मिलने के बाद ही दिया। संभावना जताई जा रही है कि जैसे-जैसे बसपा के साथ बात आगे बढ़ती जाएगी, वैसे-वैसे इस तरह के और बयान भी आ सकते हैं। गांधी परिवार के नजदीकी नेता के मुताबिक वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा के साथ कांग्रेस के अनुभव अच्छे नहीं रहे। उस चुनाव में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने की बात सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार कहते रहे, लेकिन 145 सीट देने के वादे के बावजूद कांग्रेस को 105 सीटें दी गईं।

संपादकीय

सजायाफ्ता नुमाइंदे

देश की राजनीति में बढ़ती अपराधीकरण की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के बाबत दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने एमिकस क्यूरी नियुक्त कर सुझाव मांगे थे। अदालत मित्र ने इस बाबत सुझाव दिया है कि गंभीर आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गये राजनेताओं पर ताउम्र चुनाव लड़ने की पाबंदी लगनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि फिलहाल यह अवधि दोष सिद्ध होने पर महज छह वर्ष है। इस तर्क के पक्ष में दलील दी गई है कि जब ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया जाता है तो राजनेताओं को छूट क्यों दी जाती है? उन्होंने इसे संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार का अतिक्रमण बताया। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया इस बाबत दायर की गई याचिका, जिसमें आपराधिक मामलों में राजनेताओं पर शीघ्र मुकदमा चलाने की मांग की गई थी, अदालत मित्र की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। उनका तर्क है कि दोषी ठहराए गये सांसदों को उनकी रिहाई के छह साल बाद चुनावी राजनीति में फिर से सक्रिय होने देना संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, जो कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। निस्संदेह, किसी सभ्य समाज में कानून व्यवस्था का यही तकाजा है कि बलात्कार, हत्या, मादक पदार्थों की तस्करी, भ्रष्टाचार और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने जैसे गंभीर अपराधों में दोषी ठहराए गये व्यक्ति को चुनाव लड़ने से स्थायी रूप से रोक दिया जाना चाहिए। भले ही वह रिहा हो गया हो। इस जटिल समस्या का नैतिक पक्ष भी यही कहता है। इसके अतिक्रमण का समाज में अच्छा संदेश कदापि नहीं जायेगा। दरअसल, शीर्ष अदालत में प्रस्तुत रिपोर्ट में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-8 पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें कहा गया है कि किसी दोषी राजनेता की अयोग्यता उसकी रिहाई के छह साल तक ही बढ़ाई जा सकती है। निस्संदेह यह एक कानूनी खामी है। जो सही मायनों में राजनीति को अपराधमुक्त करने के मार्ग में एक बड़ी बाधा है। इस गंभीर व जटिल समस्या के समाधान के लिये इस बाधा को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर ऐसे सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों में तेजी लाना भी जरूरी है। ताकि वे जिस भी राजनीतिक दल से जुड़े हैं, उनका दल अदालत के फैसले के आधार पर आरोपी राजनेता की उम्मीदवारी या पद पर बने रहने संबंधी निर्णय ले सकें। निस्संदेह, इससे मतदाताओं को चुनाव के दौरान मौजूद विकल्प चुनने में सहायता मिल सकती है। एमिकस क्यूरी की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि ऐसे मामलों के लिये स्थापित विशेष अदालतों को संबंधित उच्च न्यायालयों को लंबित मामलों और निपटान की मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये निर्देशित किया जाये। साथ ही लंबे समय से लंबित मामलों में देरी के कारण को भी निर्दिष्ट किया जाना चाहिए। निस्संदेह, यदि इन सभी उपायों का गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाये तो देश की राजनीति को साफ-सुथरा बनाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। जो कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त भी है।

वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में बढ़ती भारत की भागीदारी

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत, पूरे विश्व में, पहिला देश है जिसने चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सलतापूर्वक उतार लिया है। अन्यथा, विश्व का कोई भी देश, अमेरिका, रूस एवं चीन सहित, अभी तक चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर अपना यान उतारने में सफल नहीं हो सका है। निश्चित ही भारत की यह सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के समस्त देशों के लिए गर्व का विश्व होना चाहिए। यदि चन्द्रयान-3 अपने उद्देश्यों में सफल हो जाता है जैसे चन्द्रमा पर पानी उपलब्ध है अथवा नहीं, चन्द्रमा पर किस प्रकार के खनिज पदार्थ (सोना, प्लेटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आदि) रासायनिक पदार्थ, प्राकृतिक तत्व, मिट्टी एवं अन्य तत्व पाए जाते हैं, आदि का पता लगने पर इस जानकारी का लाभ भारत के साथ ही पूरे विश्व को भी होने जा रहा है। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ तत्व भारत की इस महान उपलब्धि को सकारात्मक दृष्टि से न देखते हुए इस संदर्भ में अपनी नकारात्मक सोच को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आज बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था का रूप ले चुकी है एवं इस अर्थव्यवस्था पर अभी तक केवल कुछ विकसित देशों, अमेरिका, रूस, चीन, कनाडा, ब्रिटेन आदि का वर्चस्व रहा है। परंतु, अब चूंकि भारत इस क्षेत्र में अपनी गहरी पैठ बनाता हुआ दिखाई दे रहा है अतः विकसित देश भारत की इस महान उपलब्धि को पचा नहीं पा रहे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में हाल ही के समय में भारत का एक तरह से वर्चस्व स्थापित होता दिखाई दे रहा है। आज पूरी दुनिया ही अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का लोहा मानने लगी है। भारत ने इस क्षेत्र में अमेरिका, रूस एवं चीन जैसे देशों के एकाधिकार को तोड़ा है। भारत आज समूचे विश्व में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम के सम्बंध में भविष्यवाणी और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से ही संचालित होती हैं, अतः संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग आज समस्त देशों के बीच बढ़ रही है। चूंकि भारतीय तकनीक तुलनात्मक रूप से बहुत सस्ती है अतः कई देश अब इस सम्बंध में भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच चंद्रयान-3 की कम लागत में सफल लैंडिंग के बाद वैश्विक स्तर पर व्यवसायिक तौर पर भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गयी है। आज भारतीय इसरो की, कम लागत और सफलता की गारंटी, सबसे बड़ी ताकत बन गयी है। अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का यह स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहा है और इस क्षेत्र में भारत एक धूमकेतु की तरह बनकर उभरा है। भारतीय इसरो अपने 100 से अधिक अंतरिक्ष अभियान (चन्द्रमा मिशन, मंगल मिशन, स्वदेशी अंतरिक्ष शटल, एवं चन्द्रयान-3 सहित) सफलतापूर्वक सम्पन्न कर चुका है। इसलिए कई विकसित देश भारत की इस असाधारण सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं। पूर्व में भी कुछ विकसित देश भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम को सफल होने से रोकने हेतु कुछ बाधाएं खड़ी करने के प्रयास कर चुके हैं। कई बार तो कुछ भारतीय वैज्ञानिकों को ही निशाना बनाने के प्रयास भी किए गए हैं। भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान कार्य 60 के दशक में प्रारम्भ हुआ था एवं वर्ष 1969 में देश में इस कार्य को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इसरो (भारतीय अंतरिक्ष एवं अनुसंधान संस्थान) की स्थापना की गई थी। इसरो ने पिछले 54 वर्षों के अपने कार्यकाल में अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर कुछ देश तथा निजी कम्पनियां अंतरिक्ष अनुसंधान का वाणिज्यिक उपयोग करने हेतु प्रयासरत हैं। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 45,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था जो आगे आने वाले समय में 1 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अमेरिका की भागीदारी 56.4 प्रतिशत, यूनाइटेड किंगडम की 6.5 प्रतिशत, कनाडा की 5.3 प्रतिशत, चीन की 4.7 प्रतिशत एवं जर्मनी की 4.1 प्रतिशत है। अब भारत भी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी, जो वर्तमान में 2 प्रतिशत से कुछ अधिक (960 करोड़ अमेरिकी डॉलर) है, को तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है। एक अनुसंधान रिपोर्ट (आर्थर डी लिटिल) में यह दावा किया गया है कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2040 तक 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। भारत ने इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 6 मार्च 2019 को न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) को 100 करोड़ रुपए की अधिकृत शेयर पूंजी के साथ बैंगलोर में इसरो की वाणिज्यिक शाखा के रूप में स्थापित किया है। इसरो की स्थापना के बाद से ही भारत के लिये इसरो ने कई कार्यक्रमों एवं अनुसंधानों को सफल बनाया है। देश में दूरसंचार, प्रसारण और ब्रॉडबैंड अवसंरचना के क्षेत्र में विकास के लिए इसरो ने उपग्रह संचार के माध्यम से कार्यक्रमों को चलाया है। इन उपग्रहों के माध्यम से भारत में दूरसंचार, टेलीमेडिसिन, टेलीविजन, ब्रॉडबैंड, रेडियो, आपदा प्रबंधन, खोज और बचाव अभियान जैसी सेवाएं प्रदान कर पाना एवं मौसम पूर्वानुमान, संसाधनों की मैपिंग आदि करना संभव हुआ है। वर्ष 2020 में ही केंद्र सरकार ने उपग्रहों की स्थापना और संचालन के क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआइ की अनुमति निजी क्षेत्र को दी थी, जिसके परिणामस्वरूप विगत तीन वर्षों में देश में लगभग 150 नए स्टार्टअप्स प्रारम्भ हुए हैं। अप्रैल 2023 में, भारत सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 की घोषणा की है। यह नीति भारत के अंतरिक्ष विभाग की भूमिका को बढ़ाएगी और अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्ट-अप और उद्योग को बढ़ावा देगी। भारत की अंतरिक्ष नीति अंतरिक्ष गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में निजी भागीदारी की परिकल्पना करती है और उसे प्रोत्साहित करती है। यह नीति भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलती है, जिससे निजी क्षेत्र को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाने का मौका मिलता है। इसका उद्देश्य भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में शामिल विभिन्न संस्थानों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करना भी है। कुछ दशक पहिले वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में कुछ ही देशों का वर्चस्व था। भारतीय विज्ञानियों की मेहनत एवं दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि इस मोर्चे पर भारत अब विकसित देशों के साथ खड़ा है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ाने का प्रमुख कारण यह है कि पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए गए हैं। आज वैश्विक स्तर पर इसरो छठी सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी के रूप में स्थापित हो चुका है। वर्ष 2014 में भारत विश्व में पहिली बार में ही सफलतापूर्वक मंगल गृह पर पहुंचने वाला देश बन चुका है। हाल ही में इसरो ने रीयूजेबल लांच व्हिकल (आरएलवी) के प्रक्षेपण में बड़ी सफलता हासिल की है। यह उपग्रह को अंतरिक्ष में स्थापित कर वापस लौट आएगा, जिससे न केवल इसकी लागत में कमी आएगी, बल्कि मानव को अंतरिक्ष में घुमाने में भी इसका प्रयोग किया जा सकेगा। वर्ष 2024 तक अंतरिक्ष में मानव एवं रोबोट को भेजने की योजना है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर 17,000 छोटे उपग्रहों को प्रक्षेपित किया जाना है। इसके लिये इसरो ने स्स्स्क्ष (स्द्वङ्घ्य्द्य स्ङ्खह्लद्दग्द्यद्बह्लद्ग स्ङ्खह्लङ्घ्ष्ठ ङ्कद्गद्धष्द्यद्ग) का निर्माण किया है। अब क्क्स्स्क्ष तथा स्स्स्क्ष मिलकर भविष्य में उपलब्ध होने वाले बाजार के लिये कम लागत पर लोजिस्टिक उपलब्ध करा सकते हैं। भारत में पहले से ही डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रम तथा स्मार्ट सिटी जैसे मिशन चलाए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम भारत में न्यू स्पेस स्टार्टअप को सहयोग प्रदान कर कर रहे हैं। ऐसे स्टार्टअप विभिन्न तकनीकों और सेवाओं का निर्माण करते हुए इसरो के वैश्विक उपभोक्ता वर्ग (देश तथा निजी संस्थान) को आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

इस प्रकार इसरो और स्टार्टअप तथा विभिन्न निजी कम्पनियां आपस में मिलकर वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों के बेहद महंगे स्पेस मिशनों के मुकाबले भारत की अंतरिक्ष यात्रा चूंकि काफी मितव्ययी है, ऐसे में दुनिया के आर्थिक रूप से पिछड़े देश इसरो के माध्यम से अपने उपग्रह लांच कर पाएंगे। स्वदेशी उपग्रह के निर्माण और उपग्रह प्रक्षेपण की कम तुलनात्मक लागत के कारण वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2017 में इसरो ने कीर्तिमान स्थापित करते हुए 104 उपग्रहों को एक साथ अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया था, जिसमें 101 स्वदेशी उपग्रह थे।

इस उपलब्धि के कारण भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण करने वाले पसंदीदा देश के रूप में उभरा है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

ड्रेस कोड के नाम पर बंदिशों का सिलसिला

क्षमा शर्मा

हाल ही में चीन में कर्मचारियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि सभी को ऐसे कपड़े पहनने चाहिए जो 'चीन की स्पिरिट' के अनुकूल हों। महिलाएं गहरे गले के कपड़े या जो उनके अंगों को दिखाते हों, न पहनें। गहरे रंगों से भी परहेज करें। कहा जाता है कि चीनी महिलाओं को सजने-संवरने का बहुत शौक है। उन्हें फैशनेबल कपड़े पहनना भी बहुत पसंद है। लेकिन अब सरकार 'चीनी स्पिरिट' के नाम पर इसे रोक रही है। पुरुषों से भी कहा गया है कि उनके लिए आदर्श कपड़े कोट-पैंट हैं। जो ऐसा नहीं करेगा उस पर भारी-भरकम जुर्माना लगेगा। जेल भी जाना पड़ सकता है। चीन के बारे में यह खबर पढ़कर थोड़ा-सा आश्चर्य हुआ। और हो भी क्यों न। यह देश तो अपने आपको समाजवादी कहता है। समाजवादी मूल्यों का वाहक और दावेदार कहलाता है। ऐसे में अपने यहां के लोगों, खास तौर से महिलाओं पर इस तरह के प्रतिबंध क्या इन मूल्यों के विपरीत नहीं। कहा तो यही जाता है न कि समाजवादी समाज में इस तरह की कोई रोक-टोक नहीं होनी चाहिए, लेकिन देख हम कुछ और रहे हैं। जहां सरकार तमाम प्रतिगामी मूल्य लागू करने पर तुली है, वहां इन बातों का काफी विरोध भी हो रहा है। लोग पूछ रहे हैं कि हम आखिर अफगानिस्तान और ईरान से किस तरह अलग हैं। अफगानिस्तान में तालिबान ने आकर औरतों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लागू किए हैं। यहां तक कि उनके स्कूल-कालेज जाने पर भी रोक लगा दी है। विश्व भर में इन प्रतिबंधों की काफी आलोचना भी हुई है। ईरान में एक वर्ष से हिजाब विरोधी आंदोलन चल रहा है। महिलाओं के साथ-साथ इसमें पुरुषों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया है। महिलाएं उन पर लगाए गए तरह-तरह के सरकारी प्रतिबंधों का विरोध कर रही हैं। बहुतों को सजा भी दी गई है। जिस महिला माशा अमीनी की मृत्यु के कारण यह आंदोलन शुरू हुआ था, उसकी मौत को एक वर्ष पूरा हो गया है। वहां की मारल पुलिस की कस्टडी में उसकी मृत्यु हुई थी। उसे इस्लामिक ड्रेस कोड के उल्लंघन के आरोप में पकड़ा गया था। कहा गया था कि उसने हिजाब नहीं पहना हुआ था। तब औरतों ने जोरदार आंदोलन चलाया था। उन्होंने कहा था कि महिलाओं को जीवन और आजादी चाहिए। तब ईरान ने तमाम तरह के दंड देकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की थी। विश्व भर में इस बात पर ईरान की निंदा हुई थी। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन तथा अन्य देशों ने ईरान पर तरह-तरह के प्रतिबंध भी लगाए थे। उन्हें अब और बढ़ा दिया गया है। इस दौर में ईरान में तरह-तरह की कविताएं, कहानियां भी लिखी गईं, जो हिजाब के विरोध और महिलाओं के आंदोलन के समर्थन में थीं। वहां की शायरा शाहरुख हैदर की लम्बी कविता की कुछ पंक्तियां देखिए- मैं एक औरत हूं, अपनी तमाम पाबंदी के बाद भी औरत हूं। क्या मेरी पैदाइश में कोई गलती थी, या वह जगह गलत थी जहां मैं बड़ी हुई। मेरा जिस्म, मेरा वजूद, एक आला लिबास वाले मर्द की सोच और अरबी जबान के चंद झांसे के नाम बिका हुआ है। यह एक ऐसी लम्बी कविता है जिसमें वहां की औरतों के जीवन की तकलीफ बयान की गई है। जिसे पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अब जब इस आंदोलन का एक वर्ष पूरा हुआ है तो इस अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह और उनका देश ईरान के बहादुर लोगों के साथ खड़ा है। जो बाइडेन कुछ भी कहते रहें, धर्म के नाम पर औरतों की आजादी पर तरह-तरह से प्रतिबंध लगाने वाली सरकारों को कोई फर्क नहीं पड़ता। क्या औरतों के विरोध के कारण ईरानी सरकार ने कुछ ढील दी है या अफगानिस्तान में औरतों को कुछ अधिकार मिले हैं। दोनों का जवाब न में है। और अब चीन की बारी है। आगे न जाने कितने देश ऐसी हरकतों में शामिल होने वाले हैं। दूसरी तरफ तुर्किए है। कमाल पाशा को वहां तरह-तरह के सुधारों के लिए जाना जाता है। वहां लम्बे अरसे तक सरकार की तरफ से हिजाब पहनने पर प्रतिबंध रहा है। लेकिन अब वहां की महिलाएं हिजाब पहनने की मांग करती हैं। यह कोई नई बात नहीं है कि औरतों को प्रताड़ित करने, उन्हें दोयम दर्जे की नागरिकता सौंपने के लिए तरह-तरह के उपाय कट्टरपंथी सरकारों द्वारा किए जाते हैं। लेकिन अफसोस की बात यह है कि दुनियाभर के स्त्रीवादियों द्वारा ईरान की औरतों के पक्ष में बहुत कम आवाजें सुनाई दीं। अपने यहां तो लगभग खामोशी ही छाई रही। इसे दूसरे देश का सांस्कृतिक मामला बताकर चुप्पी साध ली गई। लगभग इसी समय पर भारत के कर्नाटक में हिजाब समर्थक आंदोलन चलाया गया था। इसे हमारे यहां बहुत से प्रगतिशील तक ने निजी च्वाइस का मामला बताकर चुप्पी साध ली थी। जबकि कर्नाटक में किसी सरकार ने हिजाब पर प्रतिबंध नहीं लगाया था। यह वहां के एक स्कूल की यूनिफार्म से जुड़ा मामला था। यह देखकर और भी हैरत हुई थी कि वे लोग जो लगातार घूंघट और पर्दा प्रथा का विरोध करते आए हैं, वे भी किसी न किसी बहाने इधर-उधर हो लिए थे। यह विरोधाभास क्यों। ईरान, अफगानिस्तान या तुर्किए के मसले में सरकारें जिस बात पर भी रोक लगाती हैं, लोगों में उसकी तीखी प्रतिक्रिया होती है। और इसी प्रतिक्रिया स्वरूप विरोध जन्म लेता है। लोग भूल जाते हैं कि हो सकता है कि सरकार की तरफ से की गई बातों में उनका कुछ भला छिपा हो। जैसा कि तुर्किए का उदाहरण। मगर सरकारी हस्तक्षेप लोगों को पसंद नहीं आता और वह किसी न किसी रूप में विरोध के रूप में फूटता है। चीन का मामला इसलिए भी ज्यादा गौर करने लायक है कि आखिर वहां की सरकार को यह क्यों सूझा कि लोगों की वेशभूषा पर अंकुश लगाया जाए। यों बहुत-सी कम्पनियां अपने यहां ड्रेस कोड रखती हैं। लेकिन वह निजी मामला होता है, किसी सरकार का आदेश नहीं। चीनी सरकार को यह क्यों लगा कि लोगों के कपड़े 'चीनी स्पिरिट' को खत्म कर रहे हैं। क्या चीन की आत्मा सिर्फ कपड़ों में रहती है और क्या कपड़ों से किसी संस्कृति का विनाश हो जाता है। इस तरह की रोक-टोक ऐसे समाज में कहां तक जायज है जो सबकी बराबरी की बात कहता है। हालांकि चीन के संदर्भ में यह बात मात्र सैद्धांतिक ही कही जाती है। वर्ना तो वहां लोगों को मामूली अधिकार भी प्राप्त नहीं हैं। छोटे-छोटे बच्चे तक उन भयावह उद्योगों में काम करते हैं जो जानलेवा हैं। किसी पूंजीवादी देश में भी ऐसा नहीं है। साथ ही यह भी कहा जाता है कि चीन में पुत्रों से बहुत मोह है। हर दम्पति चाहता है कि उसके लड़कियां नहीं, पुत्र ही हों। ऐसे में किस बात का समाजवाद। लोगों की और सबकी बराबरी की बात। लेनिन ने भले ही कहा हो कि औरतों का जीवन सुधारना हो तो उन्हें रसोई से निकालो। लेकिन चीन में मार्क्सवाद के सिद्धांत के नाम पर स्त्री-पुरुषों को तरह-तरह के ड्रेस कोड में बांधने की कवायद की जा रही है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विचार मंथन

75 साल में बुढ़ा गई संसद

(लेखक - सनत जैन)

संसद का विशेष सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। संसद के गठन और कामकाज को लेकर चर्चाएं और समीक्षा होने लगी हैं। वर्तमान संसद में केवल 21 लोकसभा के युवा सांसद हैं। जब पहली संसद गे ठित हुई थी उस समय लोकसभा में 35 बरस से कम उम्र के युवा संसद सदस्यों की संख्या 82 थी। वर्तमान लोकसभा में 35 वर्ष से कम आयु के मात्र 21 सांसद रह गए हैं। जब पहली सांसद बनी थी उसे समय लोकसभा सदस्यों की संख्या 489 थी। अब लोकसभा सदस्यों की संख्या बढ़कर 545 हो गई है। इस संख्या को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान लोकसभा बूढ़े लोगों की लोकसभा बन गई है। पहली लोकसभा में सांसदों की औसत उम्र 46.5 वर्ष थी जो अब बढ़कर 55 साल हो गई है। पहले मतदान में महिलाओं ने कम मतदान किया था। 1962 में लोकसभा के चुनाव में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 46.6 फ़ीसदी था, जो अब बढ़कर 67.4 फ़ीसदी पर पहुंच गया है। पहली लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 22 थी, जो अब बढ़कर 78 हो गई है। बैठकों के मामले में लोकसभा निचले स्तर पर जा रही है। 1956 में लोकसभा की सबसे अधिक 151 दिन की बैठकें हुई थीं। 2020 में कोविड के दौरान मात्र 23 बैठकें हुई। पिछले 9 वर्षों में लोकसभा में बैठकों की संख्या लगातार घटती ही जा रही है। पहली लोकसभा के चुनाव में 53 राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। अब देश में राजनीतिक दलों की संख्या बढ़कर 673 हो गई है। देश में अभी तक 17 लोकसभा के चुनाव हुए हैं, जिसमें से 10 लोकसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनी है। सात लोकसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। 2004 के बाद से सत्ताधारी दल को लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा मत प्राप्त होते हैं, यह ट्रेंड 2004 के बाद ही शुरू हुआ है। पहली लोकसभा में प्रश्नकाल के लिए 15 फ़ीसदी समय दिया गया था। चौथी लोकसभा में यह समय घटकर 11.42 फ़ीसदी रह गया था। इसके बाद के आंकड़े लोकसभा सचिवालय ने जारी नहीं किए हैं। 16वीं और 17वीं लोकसभा में हो हंगामा के बीच बैठकें हो रही हैं। बिल बिना चचा के ध्वनि मत से पास कराए जा रहे हैं। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल सबसे ज्यादा चिंता जनक रहा है। इसमें संसद सदस्यों को पर्याप्त समय उनके प्रश्न उठाने के लिए नहीं मिला नाही उन्हें पर्याप्त समय किसी भी कानून के बारे में बोलने के लिए दिया गया। संसद सत्र की अवधि कम हो जाने के कारण सांसदों के अधिकारों में हनन भी हुआ है। 17वीं लोकसभा में परित बिलों पर विशेष चर्चा नहीं हुई, अधिकांश बिल बिना चर्चा के ध्वे निमत से बहुमत के आधार पर पास कर दिए गए, जिसके कारण जो कानून बनाए गए उनमें बार-बार संशोधन करना पड़ रहा है। सरकार ने मनी बिल के रूप में कई विधेयक पेश कर संसद के अे धिको रों को सी मित कर दिया। विभागों द्वारा परिपत्र जारी कर नियमों को लगातार बदलाव किया, जिसके कारण अब कानून कम बन रहे हैं। संसद में कानून में कम संशोधन होते हुए दिख रहे हैं, जिसके कारण संसद और सांसदों के अधिकार पहले की तुलना में कम हुए हैं। संसद का विशेष सत्र नई संसद भवन में 18 तारीख से शुरू हुआ है। सारे देश एवं दुनिया में नये संसद भवन के चर्चा हो रही है। पक्ष और विपक्ष के बीच में नई संसद भवन में चर्चा के दौरान पहले ही दिन तलखी देखने को मिली है। 75 वर्ष के संसदीय इतिहास में युवाओं की संख्या और उनका प्रतिनिधित्व लोकसभा में लगातार घट रहा है, जबकि देश में युवाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। उस हिसाब से इस असंतुलन को लेकर भी चर्चा होने लगी है। लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाद रुप से सांसदों के अभिभावक और संसदीय प्रणाली लोकतंत्र के संरक्ष की भूमिका होती थी। सरकार के प्रति वह उत्तरदायी नहीं होते थे। पिछले कुछ वर्षों में लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की निष्ठा सत्ता पक्ष के प्रति बढ़ी है, जिसके कारण सें विधान और संसदीय परम्पराओं और कार्यवाही को लेकर भी सत्ता पक्ष एवं विपक्ष में दूरियां बढ़ रही हैं।

नवीन जिंदल 1 अक्टूबर से जेएसपी के गैर-कार्यकारी निदेशक

नई दिल्ली । जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपी) ने कहा कि उसके चेयरमैन नवीन जिंदल एक अक्टूबर से गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में नया दायित्व संभालेंगे। इस्पात उत्पादक कंपनी ने बीएसई को इस संबंध में जानकारी दी। चेयरमैन के रूप में जिंदल का कार्यकारी निदेशक का मौजूदा कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म होने वाला है। जेएसपी ने कहा` कि नवीन जिंदल को एक अक्टूबर, 2023 से गैर-कार्यकारी चेयरमैन के रूप में निदेशक मंडल का हिस्सा बने रहने के लिए चुना गया है। इसलिए जिंदल को एक अक्टूबर से निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के पद पर नियुक्त किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में जिंदल कंपनी से कोई वेतन नहीं लेंगे। वह सिर्फ निदेशक मंडल और इसकी समितियों की बैठकों में शामिल होने का शुल्क एवं क्षतिपूर्ति लेंगे।

मुंबई एयर पोर्ट पर अगस्त में यात्री बढ़कर 42 लाख हुए

मुंबई ।

मुंबई हवाई अड्डा पर अगस्त में यात्रियों की संख्या सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 42 लाख हो गई है। कोविड-पूर्व के समय अगस्त, 2019 से तुलना की जाए तो यात्रियों की संख्या में अगस्त में 108 प्रतिशत वृद्धि हुई है। हवाई अड्डा परिचालक ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर अगस्त, 2023 में लगभग 43.2 लाख यात्रियों का आवागमन हुआ, जो अगस्त, 2022 के 32 लाख यात्रियों से 32 प्रतिशत ज्यादा है। उसने कहा कि सिर्फ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या ही 33 प्रतिशत वृद्धि के साथ 11 लाख से ज्यादा रही, जबकि पिछले साल अगस्त में यह 8.4 लाख थी।

सिग्नेचर ग्लोबल ने एंकर निवेशकों से 318.5 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । रियल स्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने नोमुरा सहित एंकर निवेशकों से 318.5 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बुधवार को खुलेगा। सिग्नेचर ग्लोबल ने शेयर बाजार को बताया कि सार्वजनिक निर्गम में एंकर निवेशकों (एआई) हिस्से के तहत 82,72,700 इक्विटी शेयर को अभिदान मिला। नोमुरा ट्रस्ट एंड बैंकिंग कंपनी लिमिटेड ने सबसे अधिक 18,70,094 शेयर खरीदे। कंपनी ने अपने 730 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 366-385 रुपए का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ 20 सितंबर को खुलेगा और 22 सितंबर को बंद होगा। आईपीओ में 603 करोड़ रुपए नए शेयर और बिक्री पेशकश के तहत अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम के 127 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर शामिल हैं।

चीन में अमेरिकी कंपनियों ने कहा- अमेरिका से तनाव कारोबार के लिए बड़ी बाधा: सर्वेक्षण

- सर्वेक्षण में 10 में से नौ अमे रिकी कंपनियों ने बढ़ती लागत को भी एक बड़ी चुनौती बताया

बीजिंग ।

चीन में काम करने वाली अमेरिकी कंपनियां प्रौद्योगिकी, कारोबार तथा अन्य मामलों पर अमेरिका के साथ तनाव को अपने कारोबार के लिए एक बड़ी बाधा के रूप में देखती हैं। मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। शंघाई में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक सर्वेक्षण के अनुसार निवेश के लिए विदेशी गंतव्य के तौर पर चीन की साख में निरंतर गिरावट आ रही है। हालांकि सर्वेक्षण में शामिल 325 कंपनियों में से दो-तिहाई ने कहा कि उनकी चीन को लेकर रणनीति को बदलने की तत्काल कोई योजना नहीं है। सर्वेक्षण में शामिल पांच में से एक से अधिक कंपनियों ने कहा कि वे इस साल चीन में अपना निवेश कम कर रही हैं, जिसकी मुख्य वजह अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों में अनिश्चितता और चीन में धीमी वृद्धि का अनुमान है। कुल मिलाकर सर्वेक्षण से पता चला कि पिछले साल की तुलना में धारणा और अधिक खराब हुई है। तब चीन की कोविड-19 वैश्विक महामारी को लेकर चीन की कड़ी नीतियों का असर इन कंपनियों पर पड़ा था। सर्वेक्षण में सामने आया कि इस तरह के व्यवधान प्रमुख वजह थे, जिनका हवाला कंपनियों ने चीन के बाहर अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए दिया।

सर्वेक्षण में शामिल 52 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे चीन में अपने पांच साल के व्यापार दृष्टिकोण को लेकर आशावादी हैं। शंघाई में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा 1999 में वार्षिक सर्वेक्षण शुरू करने के बाद से यह आंकड़ा अभी तक के सबसे` निचले स्तर पर है। करीब 10 में से नौ कंपनियों ने बढ़ती लागत को भी एक बड़ी चुनौती बताया।

आयकर रिटर्न भरने की तारीख अब 30 नवंबर

नई दिल्ली । सरकार ने कंपनियों के लिए आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी है। इसके अलावा ऐसी कंपनियां जिन्हें अपने खातों को ऑडिट कराने की जरूरत होती है, के लिए ऑडिट रिपोर्ट जमा कराने की अंतिम तिथि को भी एक महीने बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा` कि आकलन वर्ष 2023-24 के लिए फॉर्म आईटीआर-7 में आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी गई है।

वोडाफोन आइडिया ने उसके अधिग्रहण की चर्चा से किया इनकार

नई दिल्ली । वोडाफोन आइडिया ने वेरिजॉन, अमेज़ॅन या स्टारलिंक द्वारा अधिग्रहण पर चर्चा की खबरों से इनकार किया है। वोडाफोन आइडिया ने एक नियामक फाइलिंग में उन रिपोर्टों का खंडन किया कि इसे इन कंपनियों द्वारा अधिग्रहित किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि हम यह कहना चाहते हैं कि उक्त समाचार गलत है। कंपनी किसी भी नामित पक्ष के साथ ऐसी किसी चर्चा में नहीं है। स्पष्टीकरण के बाद वोडाफोन आइडिया के शेयरों की कीमत लगभग छह प्रतिशत गिर गई। एक नियामक फाइलिंग में वोडाफोन आइडिया ने कहा कि भुगतान 15 जून 2022 के आवेदन आमंत्रण नोटिस की शर्तों के अनुसार है। एक पुरानी फाइलिंग में वोडाफोन आइडिया ने 14 अगस्त को कहा था कि कंपनी को एक प्रमोटर समूह इकाई से आश वासन प्राप्त हुआ है कि कंपनी द्वारा अपने आसन्न भुगतान दायित्वों को पूरा करने के लिए फंड की किसी भी आवश्यकता की स्थिति में, वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दो हजार करोड़ रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है: आरबीआई

- सब्जियों की कीमतों में कमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी आई है

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि घरेलू मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन से भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है और आपूर्ति में भी सुधार हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य मुद्रास्फीति अगस्त में थोड़ी` गिर गई है जबकि जुलाई में यह काफी ऊपर पहुंच गई थी। सितंबर में भी खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी आ सकती है। सब्जियों की कीमतों में कमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी आई है। अभी सब्जियों के दाम वाजिब स्तर पर नहीं आए हैं, इसलिए अगले कुछ हफ्तों में महंगाई दर और नीचे आ सकती है। अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति कम होकर 6.8 फीसदी रही थी, जो जुलाई में 7.4 फीसदी थी। हालांकि अब भी यह आरबीआई के 2 से 6 फीसदी के सहज दायरे से ऊपर बनी हुई है। अनुकूल आधार प्रभाव के कारण खाद्य पदार्थों की महंगाई जुलाई के 10.6 फीसदी से अगस्त में घटकर 9.2 फीसदी रह गई। सब्जियों की महंगाई में तेजी से कमी आई है, लेकिन अब भी यह काफी ज्यादा है। मौद्रिक नीति के उपायों की वजह से मुद्रास्फीति में स्थिरता दिख रही है, जो वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों की महंगाई कम होने का संकेत देता है। आर्थिक वृद्धि का जिक्र करते हुए आरबीआई की रिपोर्ट कहती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक प्रगति के लिए 'वसुधैव कुटुंबकम' की सोच के साथ भारत की जी20 अध्यक्षता और इससे मिले नतीजे तब अहम हो जाते हैं, जब तमाम क्षेत्रों में वृहद-आर्थिक स्थितियों में द्वंद्व के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां अपनी रफ्तार गंवाती जा रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कमजोर वैश्विक संभावनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था निजी खपत और मजबूत सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजीगत व्यय के साथ स्थिर निवेश जैसे घरेलू कारणों से मजबूत हो रही है। घरेलू मांग के समर्थन से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में लाभ हुआ है। पिछले कुछ सप्ताह के दौरान परिधान व लाइफस्टाइल के खुदरा कारोबारियों और शॉपिंग मॉल की बिक्री में तेज रिकवरी हुई है। इसकी वजह से शेष त्योहारी सीजन में भी मांग में तेजी रहने की उम्मीद बनी है, जो रक्षा बंधन और ओणम के साथ शुरू हुआ है और लोगों का विवेकाधीन खुदरा व्यय बढ़ा है। इलेक्ट्रॉनिक्स व वाहन दूसरा क्षेत्र हो सकता है, जिसमें त्योहार के दौरान खर्च बढ़ेगा। यह भी संकेत हैं कि रोजमर्रा के इस्तेमाल की उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) भी एक साल के दबाव के बाद धनात्मक क्षेत्र में वापसी कर रहा है। एक प्रमुख संकेतक महंगाई दर है, जिसमें सितंबर महीने में तेज गिरावट की संभावना है। इससे उम्मीद बन रही है। आगे की स्थिति देखें तो भारत का उपभोक्ता बाजार 2027 तक विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन जाने की उम्मीद है, जिसमें परिवारों का प्रति व्यक्ति खर्च एशिया की अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से आगे बढ़ जाएगा।

अग्रिम कर संग्रह 20 फीसदी बढ़कर 3.55 लाख करोड़ रहा

- पिछले साल सरकार को 2.94 लाख करोड़ रुपए का अग्रिम कर मिला था

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष में सितंबर मध्य तक कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत अग्रिम कर संग्रह 20.73 फीसदी बढ़कर 3.55 लाख करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की इसी अवधि में सरकार को 2.94 लाख करोड़ रुपए का अग्रिम कर मिला था। माना जा रहा है कि प्रत्यक्ष कर प्राप्तियों में बढ़ोतरी की वजह दूसरी तिमाही में कंपनियों के मुनाफे में सुधार, कर अनुपालन और विभिन्न प्रवर्तन कार्रवाई रहीं। कर संग्रह में मजबूत वृद्धि से सरकार को अपनी व्यय योजनाओं को मदद देने में सहूलियत होगी और राजकोषीय घाटे को कम करने की भी गुंजाइश रहेगी। चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 16 सितंबर तक कुल अग्रिम कर भुगतान में भारतीय उद्योग जगत ने 2.80 लाख करोड़ रुपए तथा व्यक्तिगत करदाताओं ने 74,858 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। इस दौरान कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 23.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 8.65 लाख करोड़ रुपए रहा। इसमें कॉर्पोरेट कर की हिस्सेदारी 4.16 लाख करोड़ रुपए और प्रतिभूति लेनदेन कर सहित व्यक्तिगत आयकर का हिस्सा 4.47 लाख करोड़ रुपए रहा। कर संग्रह में इजाफा पूरे वित्त वर्ष के लिए अनुमानित 10 फीसदी की वृद्धि से कहीं ज्यादा है। इससे संकेत मिलता है कि सरकार प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लेगी। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए 18.23 लाख करोड़ रुपए प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा है। इसमें 9.2 लाख करोड़ रुपए कॉर्पोरेट कर से और 9 लाख करोड़ रुपए व्यक्तिगत आयकर से जुटाए जाने की उम्मीद है। अप्रैल-जुलाई के दौरान कॉर्पोरेट कर संग्रह की प्राप्तियों में गिरावट को देखते हुए पहले प्रत्यक्ष कर संग्रह की रफ्तार को लेकर चिंता जताई जा रही थी। 17 जून तक अग्रिम कर संग्रह 13.7 फीसदी बढ़कर 1.16 लाख करोड़ रुपए रहा था जबकि शुद्ध कर संग्रह 3.79 लाख करोड़ रुपए रहा था। अग्रिम कर का भुगतान पूरे वित्त वर्ष के दौरान अनुमानित आय के आधार पर चार किस्तों में किया जाता है। अग्रिम कर संग्रह को अर्थव्यवस्था का आईना भी माना जाता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अंतरिम आंकड़े जारी करते हुए कहा कि 16 सितंबर तक अग्रिम कर संग्रह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 23.5 फीसदी बढ़ा है। इस दौरान सरकार ने 1.21 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया है। कुल अग्रिम कर संग्रह में स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) 5.19 लाख करोड़ रुपए, स्व-आकलन कर 82,460 करोड़ रुपए, नियमित आकलन कर 21,175 करोड़ रुपए, अन्य मदों में 8,248 करोड़ रुपए की प्राप्तियां हुई हैं।

एनबीएफसी का बैंक कर्ज जुलाई में बढ़कर 13.8 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बैंकों का कर्ज जुलाई में सालाना आधार पर 23.6 प्रतिशत बढ़कर 13.8 लाख करोड़ रुपए हो गया। एक रेटिंग एजेंसी ने रिजर्व बैंक के मासिक आंकड़ों का विश्लेषण कर बताया कि इससे समीक्षाधीन महीने के दौरान उनकी कुल हिस्सेदारी 9.3 प्रतिशत हो गई है। एक एजेंसी के पत्र के अनुसार वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीतियों को कड़ा करने के बाद बढ़ी हुई वैश्विक ब्याज दरों के कारण इस महीने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कम उधारी देखी गई। वित्त वर्ष 2011-12 की दूसरी छमाही में एनबीएफसी को बैंक ऋण में लगातार बढ़ोतरी का रुझान रहा है, जो कोविड महामारी के बाद अर्थव्यवस्था के चरणबद्ध तरीके से फिर से खुलने के साथ मेल खाता है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान और वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में वृद्धि और तेज हो गई। हालांकि मासिक आधार पर एनबीएफसी के कुल कर्ज में 3.3 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण एक जुलाई से एचडीएफसी का एचडीएफसी बैंक के साथ विलय है।

लंबी रेंज देने वाल स्कूटर है आईएमई रेपिड

-कार से भी ज्यादा रेंज देता है ये ई-स्कूटर

नई दिल्ली ।

देश में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ज्यादातर इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को डेली सिटी कम्यूट के लिए बनाया जाता है इसलिए इनकी रेंज कम होती है।इनमें से कुछ स्कूटर्स ऐसे भी हैं जो लंबी रेंज ऑफर करते हैं। ऐसा ही एक स्कूटर है आईएमई रेपिड। यह एक लॉन्ग रेंज इलेक्ट्रिक स्कूटर है जिसे कुछ वक्त पहले ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया गया है। रेंज के मामले में यह स्कूटर बड़ी बड़ी इलेक्ट्रिक कारों को भी टक्कर दे सकता है।अब बात करते हैं इस स्कूटर की कीमत की। आईएमई रेपिड की शुरुआती कीमत 99,000 रुपये है जो 1.48 लाख रुपये तक जाती है। इस स्कूटर को सबसे पहले बैंगलोर में उपलब्ध कराया गया है। कंपनी इंडिया में फ्रेंचाइज ओन्ड कंपनी ऑपरेटेड मॉडल पर काम करने की प्लानिंग कर रही है। आने वाले वक्त में कंपनी अपनी उपस्थित कर्नाटक के आस-पास 15 से 20 शहरों में दर्ज कराएगी। जैसा कि हमने पहले आपको बताया कि यह स्कूटर रेंज के मामले में कार को भी टक्कर दे सकता है। कंपनी का दावा है कि सिंगल चार्ज में यह स्कूटर 300 किमी तक रेंज ऑफर कर सकता है। यह स्कूटर 3 रेंज विकल्पों में आता है। इसमें 100 किमी, 200 किमी और 300 किमी के विकल्प बायर्स को मिलते हैं। इस स्कूटर में 2000डब्ल्यू मोटर (2केडब्ल्यूएच मोटर) दिया गया है। रेंज के मामले में यह कई इलेक्ट्रिक कारों को भी टक्कर देता है जो 300 किमी से कम रेंज ऑफर करती हैं। इसकी रेंज अलग अलग वेरियंट्स पर निर्भर करती है। बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार बहुत तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन, इसी बीच इलेक्ट्रिक स्कूटर्स भी मार्केट में काफी तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के मार्केट की खास बात यह है कि इसमें न केवल बड़े ऑटोमोबाइल ब्रांड्स बल्कि कई स्टार्टअप भी सामने आ रहे हैं जो आधुनिक फीचर्स के साथ अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर्स मार्केट में उतार रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

- कच्चे तेल के दाम में जोरदार तेजी, 94 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल ने अब 94 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर लिया है। मंगलवार 19 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 94.72 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 92.39 डॉलर प्रति बैरल है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत के आधार पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। हालांकि भारतीय तेल कंपनियों ने 19 सितंबर को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के विभिन्न शहरों में वाहन ईंधन के भाव जस के तस हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर है।

टोयोटा वियॉस को क्रैश टेस्ट में मिले 5 स्टार

- तगड़े सेफ्टी फीचर्स हैं लोडेड

नई दिल्ली ।

हाल ही में टोयोटा वियॉस कार ने एशियन एनकैप क्रैश टेस्ट में हिस्सा लिया। इस कार ने क्रेश टेस्ट में 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की। इस क्रैश टेस्ट में कार की अडल्ट ऑक्युपेंट सेफ्टी, चाइल्ड ऑक्युपेंट सेफ्टी, सेफ्टी असिस्ट सिस्टम और मोटरसाइकल सेफ्टी टेस्ट की गई।2023 टोयोटा वीयोस को इंडिया में सेल नहीं किया जाता है। यह कंपनी का मलेशिया बेस्ड मॉडल है जिसे इंडोनेशिया, लाओस और कंबोडिया में भी सेल किया जाता है। टेस्ट किए गए मॉडल को ट्रिम लेवल जी के तहत सेल किया जाता है। यह कार 1.5 लीटर इंजन से लैस है। कार में 6 एयरबैग्स दिए गए हैं और कर्ब वेट 1035 किग्रा है। कई मार्केट्स में टोयोटा वीयोस और यारिस को हैचबैक और सेडान के तौर पर भी सेल करती है। इस कार को एशियन एनकैप के 2021-2025 प्रोटोकॉल के तहत टेस्ट किया गया था। कार में इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम और सीटबेल्ट रिमाइंडर सिस्टम दिया गया है। सीटबेल्ट रिमाइंडर आगे और पीछे दोनों सीट्स के पैसेंजर्स के लिए दिया गया है। इसके अलावा इस कार में कई पैडेस्ट्रियन यानी पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई फीचर्स दिए गए हैं। इस कार में अतिरिक्त सुरक्षा के लिए सेफ्टी असिस्ट टेक्नोलॉजी दी गई है। इन्हें स्टैंडर्स और ऑप्शनल दोनों ही तरीके से ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस सिस्टम में ऑटोनॉमस इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन डिपार्चर वॉर्निंग, फॉरवर्ड कोलिजन वॉर्निंग, लेन कीप असिस्ट, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन और ऑटो हाइ बीम जैसे फीचर्स शामिल हैं। बता दें कि कारों की सेफ्टी को लेकर दुनिया भर में ग्राहक और ऑटोमोबाइल ब्रांड्स पहले की अपेक्षा काफी सजग हुए हैं। कंपनियां लगातार अपने नए प्रोडक्ट्स को दुनिया के अलग अलग हिस्सों में टेस्टिंग के लिए भेजते हैं जहां इन्हें क्रैश टेस्ट किया जाता है।

14 महीने की वेटिंग पीरियड चल रही टोयोटा वेलफायर के लिए

-इस कार में मिलता है लग्जरी होटल जैसा आराम

नईदिल्ली ।

कंपनियां लग्जरी गाड़ियों को आर्डर के आधार पर बनाती हैं। लग्जरी गाड़ियों को बहुत कम लोग खरीदते है इसलिए इन्हें सीमित संख्या में बनाया जाता है। हालांकि, ज्यादा बुकिंग होने पर इनकी भी मांग बढ़ जाती है और इसके अनुसार ही वेटिंग पीरियड भी बढ़ने लगता है।

फिलहाल टोयोटा वेलफायर को कंपनी भारत से इम्पोर्ट कर रही है, इसलिए इसपर लंबा वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। भारत में टोयोटा वेलफायर की कीमत 1.20 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। यह लग्जरी एमपीवी वीआईपी ग्रेड और हाई ग्रेड में आती है। इसे तीन बाहरी रंग विकल्प में पेश किया जाता है। सितंबर में नई एमपीवी खरीदने वालों को डिलीवरी के लिए 14 महीने का वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। बता दें कि डीलरशिप, स्थान और वेरिएंट के अनुसार वेटिंग पीरियड अलग-अलग हो सकता है। टोयोटा वेलफायर को टीएनजीए-के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है।

इसमें 2.5 लीटर का सिंगल हाइब्रिड-पेट्रोल इंजन लगाया गया है जो ई-सीवीटी गियरबॉक्स से लैस है। यह इंजन 193 बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 240 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी ने हाल ही में इसके अपडेटेड मॉडल को लॉन्च किया है। अगर फीचर्स की बात करें तो, इसमें लाइटिंग पूरी तरह एलईडी में दी गई है। इसके साथ ही इसमें 6 स्लॉट फ्रंट ग्रिल, अपडेटेड फ्रंट और रियर बंपर और नए डिजाइन के अलॉय व्हील्स भी शामिल हैं। कार के केबिन में 14 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, मेमोरी फंक्शन के साथ 8-वे पावर्ड ड्राइवर सीट, सेकंड सीट लाइन के लिए मसाज फंक्शन के साथ कैप्टन सीट्स, पावर्ड सन ब्लाइंड्स, हेड्स अप डिस्प्ले, जेबीएल साउंड सिस्टम और सनरूफ के साथ 60 से ज्यादा फीचर्स मिलते हैं। अगर सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें 6 स्टैंडर्ड एयरबैग्स, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल, ऑल व्हील डिस्क ब्रेक, लेन कीप असिस्ट और अडाप्टिव क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। भारतीय बाजार में टोयोटा वेलफायर का सीधे तौर पर किसी से मुकाबला नहीं है। हालांकि ये 2024 में आने वाली नई मर्सिडीज-बेंज वी क्लास को टक्कर दे सकती है। मालूम हो कि भारत में बजट और प्रीमियम कारों के साथ लग्जरी कारों की भी मांग बढ़ती जा रही है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय हॉकी टीम को रहेगी विश्व नंबर एक बनने की तलाश

हांगझाऊ (एजेंसी)। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से लेकर विश्व कप हासिल करने तक पिछली एक सदी के दौरान अधिकांश समय हॉकी के शिखर पर रहने के बावजूद भारतीय टीम की विश्व की नंबर एक टीम बनने की हसरत फिलहाल पूरी नहीं हो सकी है। एक जमाने में हॉकी में भारत का डंका बजता था और उसके सामने प्रतिद्वंदी टीम का टिक पाना बेहद मुश्किल समझा जाता था मगर समय के साथ पश्चिम के देशों ने भी हाकी में खुद को स्थापित किया।

इस बीच रैंकिंग प्रणाली 2003 में अस्तित्व में आई। नई रैंकिंग प्रणाली लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी टीम की रैंकिंग में उतार-चढ़ाव आया है। 2003 में हॉकी रैंकिंग प्रणाली शुरू होने पर पुरुष टीम छठे स्थान पर थी। उसी साल भारत ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर पहली बार एशिया कप जीता। लेकिन जल्द ही भारत की फॉर्म में गिरावट आई और वे टूर्नामेंट से शुरू में ही बाहर हो गए।

भारतीय टीम 2005 में आठ देशों की राबो ट्रॉफी में सातवें स्थान पर खिसक गई जबकि 2005 में ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी आखिरी स्थान पर रही। टूर्नामेंट जीतने के लिए संघर्ष कर रही भारतीय टीम ने इसके बावजूद शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखा क्योंकि हॉकी रैंकिंग प्रणाली चार साल के चक्र के परिणामों पर विचार करती थी। 2007 चैंपियंस चैलेंज में कांस्य पदक से भी भारत को मदद मिली मगर भारतीय हॉकी की फॉर्म में गिरावट जल्द ही रैंकिंग में दिखाई देने लगी।

भारतीय टीम 2006 हॉकी विश्व कप में अपने सात में से पांच मैच हार गई और टूर्नामेंट में 11वें स्थान पर रही। टीम 80 वर्षों में पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही और बीजिंग 2008 में उसे बाहर रहना पड़ा। निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत 2008 में पहली बार हॉकी रैंकिंग के शीर्ष 10 से बाहर हो गया। पूर्व विश्व चैंपियन भारत ने 2010 में विश्व कप की मेजबानी की थी लेकिन पूल चरण में केवल एक बार जीत हासिल की और आठवें स्थान पर जगह बनाई। इससे भारत 12वें स्थान पर खिसक गया, जो अब तक की उनकी सबसे खराब हॉकी रैंक है।

अगले दशक में भारत के प्रदर्शन में धीरे-धीरे सुधार देखा गया। भारत ने 2014 एशियाई खेलों और 2017 एशिया कप के साथ-साथ चार बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (2011, 2016 और 2018) जीती। भारत चैंपियंस ट्रॉफी, कॉमनवेल्थ गेम्स और हॉकी वर्ल्ड लीग में भी पदक विजेता रहा। हॉकी रैंकिंग में लगातार सुधार दिखाई दिया और 2020 में जब पुरानी रैंकिंग प्रणाली को बदला गया तो भारत पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद 2021 में भारतीय पुरुष हाकी टीम अपनी सर्वोच्च रैंकिंग 'तीन' पर पहुंच गई। यह 41 वर्षों में उनका पहला ओलंपिक पदक था। तब से भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2021, एफआईएच प्रो लीग 2021-22 और एशिया कप 2022 में तीसरे स्थान पर रहे। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 में उन्होंने रजत पदक जीता और फिर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दोबारा हासिल करने में सफल रहे। 2023 में टीम वर्तमान में विश्व में तीसरे स्थान पर है।

भारतीय राइफल निशानेबाज निश्चल ने रियो विश्व कप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा निशानेबाज निश्चल ने रियो डी जेनेरियो में आईएसएसएफ विश्वकप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक जीता। उन्होंने सोमवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत को उसका दूसरा पदक दिलाया। उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनका सीनियर स्तर पर पहला विश्वकप था। निश्चल ने फाइनल में 458.0 अंक बनाए और वह नार्वे की स्टार निशानेबाज जेनेट हेग डुएस्टेड के बाद दूसरे स्थान पर रही।

डुएस्टेड एयर राइफल में मौजूदा यूरोपीय चैंपियन है तथा उनके नाम पर पांच स्वर्ण पदक सहित आईएसएसएफ विश्वकप में कुल 12 पदक दर्ज हैं। वह तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। निश्चल ने पूरे दिन भर शानदार प्रदर्शन किया तथा इस बीच महिला 3 पोजीशन के क्वालिफिकेशन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'यह विश्व कप में मेरा पहला फाइनल था और मैं पदक जीतने में सफल रही, इसलिए इस प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं।'

निश्चल ने एलिमिनेशन राउंड में 587 अंक बनाकर क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाई। उनके अलावा पिछला क्वालिफिकेशन राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अंजुम मोदगिल और आयुषी पोदार भी क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाने में सफल रही। क्वालिफिकेशन में निश्चल ने 542 अंक बनाए, जिनमें प्रोन पोजीशन में बनाए गए 'परफेक्ट' 200 अंक भी शामिल हैं। इस तरह से उन्होंने अंजुम का पिछले साल काहिरा में प्रेसिडेंट कप में बनाए गए 591 अंक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा।

अंजुम ने 586 अंक बनाए और वह 10वें नंबर पर रहकर फाइनल में जगह नहीं बना सकी। आयुषी 580 अंकों के साथ 35वें स्थान पर रही। फाइनल में कई शीर्ष खिलाड़ियों ने जगह बनाई थी जिनमें डुएस्टेड के अलावा चीन की विश्व चैंपियन वानरू मियाओ, डेनमार्क की 2018 युवा ओलंपिक चैंपियन स्टेफ़नी ग्रुंडसोई, इटली की ओलंपियन सोफिया सेकेरेलो और पोलैंड की एनेटा स्टैंकिविज़ शामिल थी।

निश्चल पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने शुरू से ही बेहतरीन प्रदर्शन करके डुएस्टेड को आखिर तक कड़ी चुनौती दी। नार्वे की निशानेबाज ने हालांकि अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल करके 461.5 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। वह हरियाणा की निशानेबाज से 3.5 अंक आगे रही।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन गुरप्रीत सिंह भी एक अन्य पदक स्पर्धा में भाग ले रहे थे। वह हालांकि पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में 574 अंक बनाकर 15वें स्थान पर रहे। इस तरह से भारत के 16 सदस्यीय दल ने रियो विश्वकप में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। इलावेनिल वलारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था।

गंभीर का कोहली पर तंज, कुछ लोग आईपीएल की एक भी ट्रॉफी नहीं जीत सके

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8वीं बार एशिया कप जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम इनदिनों अपना ध्यान आईसीसी विश्व कप 2023 पर केंद्रित कर रही है। मेजबान होने के कारण टीम इंडिया पर दबाव हो सकता है। टीम इंडिया लय बनाए रखने के लिए 22 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेल रही है। इसके पहले ही भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने ऐसी बात कि है, जोकि विराट के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आएगी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने विश्व कप में भारत का अच्छा नेतृत्व करने के लिए रोहित शर्मा का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जो लोग रोहित शर्मा की कप्तानी पर संदेह करते थे, उन्हें उन्होंने चुप करा दिया है। हिटमैन ने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं और कुछ खिलाड़ियों ने एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीती है। गंभीर के इस बयान को क्रिकेट फैंस कोहली से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल विराट की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल में कभी ट्रॉफी नहीं जीत सकी है।

बहरहाल, गंभीर ने कहा कि कप्तान के रूप में रोहित के प्रति कोई संदेह नहीं है। उसे 15 दिनों में वास्तविक परीक्षा का सामना करना पड़ेगा और उम्मीद है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। यदि वह परिणाम देने में असमर्थ है, तो वह अत्यधिक आलोचना और जांच के दायरे में होगा। अंत में गंभीर ने कहा कि मौजूदा भारतीय बैच में विश्व कप फाइनल में जगह बनाने की क्षमता है।

चेतेश्वर पुजारा पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, काउंटी मैच से निलंबित

होव (एजेंसी)। भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा को आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में एक काउंटी मैच से निलंबित कर दिया गया है। उनकी टीम ससेक्स ने भी काउंटी चैम्पयनशिप में 12 अंक गंवा दिए हैं। लीसेस्टरशायर के खिलाफ मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में पुजारा को यह सजा सुनाई गई है। बताया जा रहा है कि क्लब द्वारा एक ही सीजन में 4 निश्चित पेनल्टी की सीमा तक पहुंचने के बाद पुजारा को स्वचालित निलंबन मिला और वह इस सप्ताह डर्बीशायर के खिलाफ खेल के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। ससेक्स ने 3 खिलाड़ियों - जैक कार्सन, टॉम हैन्स और एरी कारवेलस - को उनके व्यवहार के लिए बाहर करने का भी निर्णय लिया है। इस मुद्दे पर मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा कि यह घटना शर्मनाक है। फारब्रेस ने कहा कि हमने जैक और टॉम को डर्बीशायर के खिलाफ मैच से बाहर रखा है।

अंपायरों और मैच रेफरी ने दोनों खिलाड़ियों पर मैदान पर लेवल एक और लेवल दो के अपराधों का आरोप लगाने के फैसले लिया है। बार-बार टीम के खिलाड़ियों द्वारा कानून तोड़ने का असर कप्तान पुजारा पर पड़ा। पुजारा अब अगला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा उनकी टीम के 12 अंक भी कट जाएंगे। यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि ससेक्स को पहले सीजन के शुरुआती भाग में अंपायरों द्वारा 2 बार मंजूरी दी गई थी, जिसमें पुजारा पर डरहम के खिलाफ शुरुआती गेम में लेवल 1 के अपराध का आरोप लगाया गया था और हेन्स को यॉर्कशायर की होव यात्रा के बाद भी इसी तरह फटकार लगाई गई थी।

ऑस्ट्रेलिया से टक्कर लेने तैयार हुई भारतीय टीम, कोहली-रोहित को दिया आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से टक्कर लेने के लिए तैयार हो चुकी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। इसके बाद दोनों टीमों को भारतीय जमीन पर ही वनडे वर्ल्ड कप 2023 खेलना है। इस बार टीम से कोहली और रोहित को बाहर रखा गया है। जानकारी के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए दो तरह से अपनी टीम का ऐलान किया है। बीसीसीआई ने यह तरीका वर्ल्ड कप से पहले एक्सपेरिमेंट के लिए आजमाया है। इस ऑस्ट्रेलिया सीरीज से ही वर्ल्ड कप के लिए भारत की परफेक्ट टीम सामने आएगी। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम का ऐलान पहले ही कर दिया है। मगर 28 सितंबर तक इसमें बदलाव की गुंजाइश है। यही कारण है कि बीसीसीआई वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में सारे एक्सपेरिमेंट कर लेना चाहती है। ताकी वर्ल्ड कप के लिए परफेक्ट टीम का ऐलान किया जा सके। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के शुरुआती 2 मैचों के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। जबकि आखिरी और तीसरे मुकाबले के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित की है। सेलेक्शन कमेटी ने शुरुआती 2 मैचों में कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, स्पिनर कुलदीप यादव और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को आराम दिया है। उनकी जगह केएल राहुल को कमान सौंपी गई है। जबकि जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। साथ ही भारतीय टीम में अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन, वॉशिंगटन सुंदर और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की वापसी हुई है। मगर सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में रोहित, कोहली, पंड्या और कुलदीप की वापसी होगी।

रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 टीमें घोषित करने को लेकर अपना खास प्लान बताया है। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक तौर पर आराम की जरूरत है। इसके अलावा कुछ खिलाड़ियों को, जो वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा हैं। लेकिन उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले हैं।

इसलिए हम चाहते हैं कि सभी खिलाड़ी वर्ल्ड कप से पहले वनडे मैच के लिए खुद को तैयार करें। जिससे वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान उन्हें जब भी मौका मिले। वह सभी खुद को तैयार रख सकें। इस तरह बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने का भी बढ़िया मौका मिलेगा।

महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर विवाद में आया बांग्लादेशी किक्रेटर

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट के उभरते सितारे तंजीम हसन साकिब ने भारत के खिलाफ एशिया कप में शानदार डेब्यू कर खूब तारीफें बटोरीं। प्रसिद्ध खिलाड़ियों रोहित शर्मा और तिलक वर्मा सहित महत्वपूर्ण विकेट हासिल करने की उनकी क्षमता ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी अपार प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन किया। हालांकि साकिब की महिलाओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणियों से भरे पुराना फेसबुक पोस्ट फिर से सामने आ गया है जिससे सोशल मीडिया पर व्यापक आक्रोश हैं। एक विवादास्पद पोस्ट में साकिब ने लिखा, यदि पत्नी काम करती है, तब पति के अधिकार सुनिश्चित नहीं होते हैं। यदि पत्नी काम करती है, तब बच्चे के अधिकार सुनिश्चित नहीं होते हैं। यदि पत्नी काम करती है, तब उसकी सुंदरता खराब हो जाती है। यदि पत्नी काम करती है, तब पति के अधिकार सुनिश्चित नहीं होते हैं। परिवार बर्बाद हो जाता है। शाकिब अल हसन की अगुवाई वाली टीम एशिया कप 2023 में नए जोश के साथ उतरी थी, लेकिन टूर्नामेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा में आगे नहीं बढ़ सकी। ग्रुप चरण में वे केवल अफगानिस्तान के खिलाफ जीत हासिल कर सके। एक मैच जीतकर वे एशिया कप सुपर 4 में पहुंच गए लेकिन पाकिस्तान और श्रीलंका जैसी टीमों के सामने हार गई। श्रीलंका के खिलाफ 21 की हार और पाकिस्तान के खिलाफ 7 विकेट की हार ने बांग्ला टाइगर्स को एशिया कप 2023 से बाहर कर दिया। हालांकि बांग्लादेश ने सुपर 4 में भारत के खिलाफ एक मैच जीता लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उनके एशिया कप फाइनल की संभावना बहुत कम थी। भारत के खिलाफ बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन किया और 6 रन से यादगार जीत हासिल की।

एशियाई खेलों में नीरज चोपड़ा से मिलने को बेकरार हैं रिंकू सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार 5 छक्कों से प्रसिद्ध हुए रिंकू सिंह की नजरें अब एशियाई खेलों पर हैं। अपनी फिनिशिंग क्षमताओं के लिए जाने जाने वाले रिंकू ने हालिया यूपी टी-20 लीग में मेरठ मावेरिक्स की ओर से खेलते हुए भी सुपर ओवर में लगातार 3 छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। अब यह स्टार बल्लेबाज एशियाई खेलों में जाने की तैयारी कर रहा है। रिंकू सिंह ने चीन रवाना होने से पहले कहा कि वह एशियाई खेलों के दौरान नीरज चोपड़ा से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिंकू ने कहा कि उन्होंने देश का नाम ऊंचा किया है। एशियाई खेलों के दौरान जब वह भारत की ओर से खेलने उतरेगा, तब उस लम्हे को देखने के लिए हम उत्साहित हैं। इसके अलावा नीरज से मिलना और उनसे उनके अनुभव सुनना काफी अच्छा रहेगा।

रिंकू ने कहा कि मैं लंबे समय से नंबर 5 और 6 पर खेल रहा हूं, इसलिए मैं ऐसा करने का काफी आदि हूं। जब से मैंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया है तब से मैं उस नंबर पर खेल रहा हूं। मैं चरणबद्ध तरीके से बल्लेबाजी का अभ्यास करता हूं। जब मैं केकेआर अकादमी में अभिषेक नायर सर के साथ प्रशिक्षण लेता हूं, तब मैं इस ध्यान में रखता हूं, जो वास्तव में मेरी बल्लेबाजी में सहायता करते हैं। वह सांस लेने के व्यायाम और दबाव में एकाग्रता बनाए रखने की सलाह देते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि अपनी क्रिकेट प्रतिभा के बावजूद, रिंकू ने लगातार टीमों की कप्तानी के प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया है। रिंकू ने कहा कि मैंने कभी कप्तान के रूप में काम नहीं किया है। हालांकि मुझे यह पसंद है, मैं ऐसा नहीं करता। मैंने कुछ मैचों में ऐसा किया लेकिन किसी तरह यह आपके दिमाग को अवरुद्ध कर देता है। अपने व्यक्तित्व के कारण मैं खुलकर खेलना पसंद करता हूं और कप्तानी की जिम्मेदारी उठाने से बचता हूं। मुझे यूपीसीए ने कप्तानी भी दी थी, लेकिन मैंने हाथ जोड़कर मना कर दिया ताकि मैं खुलकर खेल सकूं।

अजीत अगरकर ने कुलदीप यादव पर जताया भरोसा, बताया तुरुप का पत्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व कप के लिए चयनित टीम का सीरीज में पहला मुकाबला मोहाली के मैदान पर होगा। इससे पहले टीम के चयनकर्ता अजीत आगरकर ने कुलदीप यादव पर भरोसा जताते हुए उन्हें टीम में तुरुप का पत्ता बताया है। बता दें कि बीसीसीआई की ओर से मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए टीम का चुनाव किया। हालांकि सीरीज के पहले दो मैचों के लिए विराट और रोहित टीम में नहीं होंगे। इसके अलावा श्रेयस अय्यर, रविचंद्रन अश्विन और तिलक वर्मा को भी टीम में रखा गया है। बहरहाल, अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान विशेष तौर पर कुलदीप यादव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कुलदीप यादव पिछले एक साल में सफेद गेंद वाले क्रिकेट में टीम इंडिया के लिए शानदार रहे हैं। वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में नंबर एक स्पिनर बन गए हैं। उन्होंने हाल ही में एशिया कप 2023 में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। कुलदीप के विश्व कप के रोल पर अजीत अगरकर ने कहा कि मैं उन्हें पिछले कुछ वर्षों से जानता हूं और हम सभी जानते हैं कि वह वनडे में क्या करने में सक्षम हैं। वह सनसनीखेज रहा है और हम चाहते हैं कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे और दो अभ्यास मैचों में अच्छा प्रदर्शन करे। प्रतिद्वंद्वी टीमों के शीर्ष बल्लेबाज उसे पढ़ नहीं पाए और चीजें मुश्किल हो गईं। वह आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए हमारे तुरुप के पत्तों में से एक है।

पहले 2 वनडे के लिए भारतीय टीम में केएल राहुल (कप्तान), रविंद्र जडेजा (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, इशान किशन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, वाशिंगटन सुंदर, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा शामिल किए गए हैं। जबकि तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल (फिटनेस के आधार पर), वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज को शामिल किया है।

भारत में मोटो जीपी रेस के लिए कुछ प्रतिभागियों और अधिकारियों को अब भी वीजा का इंतजार

ग्रेटर नोएडा। भारत में होने वाली पहली मोटो जीपी में हिस्सा लेने वाले कुछ राइडर और टीम अधिकारियों को इस सप्ताहांत होने वाली रेस के लिए अब भी वीजा का इंतजार है जिसमें छह बार के चैंपियन मार्क मारक्वेज भी शामिल हैं। रेपसोल होंडा टीम से जुड़े सूत्रों ने पुष्टि की है कि उनके राइडर मारक्वेज और जोआन मीर के भारत आने में वीजा मुद्दों के कारण विलंब हो रहा है। स्पेन के इन दोनों राइडर को बुधवार को मानेसर में होंडा इंडिया फेक्टरी का दौरा करना था लेकिन अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है। एक सूत्र ने बताया, 'वीजा मुद्दों के कारण राइडर अब तक भारत नहीं पहुंचे हैं। इसलिए कल के कार्यक्रम को रद्द करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था।' डोर्ना स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के आयोजक और अधिकार धारक हैं। फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के स्थानीय प्रमोटर हैं। मोटो जीपी टीमों के सामने आ रही वीजा समस्याओं के बारे में जानकारी लेने के लिए हालांकि इन दोनों से ही संपर्क नहीं हो पाया है। 'रेस.कॉम' के अनुसार वीजा में विलंब के कारण टीमों से जुड़े बेहद कम कर्मचारी भारत पहुंच पाए हैं। फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री के बंद होने के बाद भारत पहली बार मोटरस्पोर्ट में इस स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रहा है। वित्तीय, कर और नौकरशाही से जुड़े मुद्दों के कारण 2013 सत्र के बाद फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री को कैलेंडर से हटा दिया गया था।

स्पैनिश शतरंज लीग : विश्व रैंकिंग में 16 पर पहुंचे प्रज्ञानन्दा

लिनारेस। भारत के नंबर 3 शतरंज खिलाड़ी ग्रांड मास्टर प्रज्ञानन्दा लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्व रैंकिंग में उपर चढ़ते जा रहे है। फिलहाल प्रज्ञानन्दा स्पैनिश शतरंज लीग में खेल रहे है और पहले दो राउंड में अपनी टीम सीए सोलवाय से खेलते हुए अपने दोनों मुक़ाबले जीतकर अच्छी शुरुआत कर चुके है। प्रज्ञानन्दा नें पहले राउंड में बुल्गारिया के इवान चेपारीनोव और दूसरे राउंड में रूस के निकिता वितुगोव को हराते हुए अपनी विश्व रैंकिंग में तीन स्थान सुधार करते हुए लाइव रैंकिंग में 9 अंक जोड़ते हुए 2736 अंकों के साथ 16वां स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय खिलाड़ियों में फिलहाल गुकेश 2758 और विश्वनाथन आनंद 2754 प्रज्ञानन्दा से आगे हैं।

पहलवान अंशू मलिक का फर्जी अश्लील वीडियो वायरल, रिपोर्ट दर्ज

नई दिल्ली। ओलंपियन पहलवान अंशू मलिक का फर्जी अश्लील वीडियो इन ?दिनों खूब वायरल हो रहा है। इसके खिलाफ उन्होंने मामला भी दर्ज कराया है। बता दें कि अंशू मलिक एशियाई चैंपियन होने के अलावा विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता है। अंशू को इन दिनों एक संकटपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि अंशू की मॉर्फ्ड तस्वीर का उपयोग करते हुए सोशल मीडिया पर एक 30 सैकेंड की अश्लील वीडियो डाली गई है जिसका पहलवान ने विरोध किया है। अंशू के पिता धर्मवीर ने हरियाणा के जींद के सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। अंशू के चाचा संदीप मलिक ने आरोप लगाया कि 22 वर्षीय पहलवान की तस्वीर इंटरनेट से ली गई थी। वीडियो एक अलग लड़की और लड़के का है और यह लगभग 2 साल पुराना है। वीडियो में दिखाए गए जोड़े अब पति-पत्नी हैं। लड़की हिमाचल प्रदेश की है और लड़का हरियाणा का है। दोनों पहलवान रहे हैं। अंशु की तस्वीर को वीडियो में एक टेम्पलेट के रूप में इस्तेमाल किया गया था। संदीप मलिक ने कहा कि हमने उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है जिसने ऐसा किया है।

विश्वकप से पहले गेंदबाजों को आराम और लय बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा: दीपक चाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कहा कि आने वाले दिनों में टीम प्रबंधन के लिए पर्याप्त खेल समय के माध्यम से अपने तेज गेंदबाजों की लय बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। चाहर ने कहा, मुझे लगता है कि दोनों (खेल का समय और आराम) महत्वपूर्ण हैं। खिलाड़ियों को आराम मिलाना चाहिए, लेकिन साथ ही उन्हें मैच खेलने का मौका भी मिलना चाहिए। लय महत्वपूर्ण है। हमारे पास ये 2-3 मैच हैं जिसमें हमें अच्छा अभ्यास मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया हमारे लिए एक अच्छा प्रतिद्वंद्वी है और हमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। यह उन्हें तरोताजा रखने और उनकी लय बनाए रखने के बारे में है।

चाहर ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना कर कहा कि भारतीय तेज आक्रमण अच्छी स्थिति में होने से आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में मेन इन ब्लू की संभावनाओं में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मैं मैच देख रहा था, अभ्यास कर रहा था। सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। वह पिछले एक साल से शानदार गेंदबाजी कर रहा है, इसीलिए वह हमारा नंबर एक गेंदबाज है। हमने लंबे समय से कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है इसलिए यह अच्छा है कि हम एशिया कप जीते। इससे हमें विश्व कप में काफी बढ़ावा मिलेगा।

एशिया कप में जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन के बारे में चाहर ने कहा कि बुमराह अच्छी लय में दिख रहे हैं और भारतीय गेंदबाजी अच्छी स्थिति में होने से विश्व कप की संभावना बढ़ जाती है। बुमराह ने चार मैचों में 17.75 की औसत और 4.17 की इकोनॉमी रेट से चार विकेट लिए उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 2/30 रहा। चाहर ने कहा, क्रिकेट में विकेट हमारे नियंत्रण में नहीं होते हैं। यह मायने रखता है कि आप कैसी गेंदबाजी करते हैं। कभी-कभी, आप अच्छी गेंदबाजी नहीं करते हैं लेकिन आपको विकेट मिल जाते हैं, लेकिन कभी-कभी आप अच्छी गेंदबाजी करने के बावजूद भी विकेट नहीं ले पाते हैं। मुझे लगता है कि बुमराह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अच्छी लय में हैं। विश्व कप में हमारे पास अच्छे मौके हैं, क्योंकि हमारी बल्लेबाजी और गेंदबाजी वास्तव में शानदार प्रदर्शन कर रही है। विश्व कप में भारत की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए तेज गेंदबाज ने कहा कि भारत के पास बेहतरीन मौके हैं और उसे घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। चाहर ने कहा, टूर्नामेंट में भारत की अच्छी संभावनाएं हैं। पिछली बार जब यह भारत में आयोजित किया गया था तो हमने जीत हासिल की थी। खिलाड़ी परिस्थितियों और पिचों को अच्छी तरह से जानते हैं और घरेलू लाभ का आनंद लेते हैं। मैं शीर्ष चार टीमों की भविष्यवाणी नहीं कर सकता क्योंकि सभी टीमें अच्छी हैं।

टीम में वापसी के लिए प्रयास जारी रखते हुए चाहर ने कहा, मैं अब फिट हूं। मुझे जो भी टूर्नामेंट खेलने को मिलेगा, जैसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैं उनमें अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। एक खिलाड़ी के रूप में मैं बस इतना ही नियंत्रित कर सकता हूं। हम खिलाड़ी के रूप में कुछ और तय नहीं कर सकते। मेरी मानसिकता मुझे मिलने वाले हर मौके में अच्छा प्रदर्शन करने की है।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

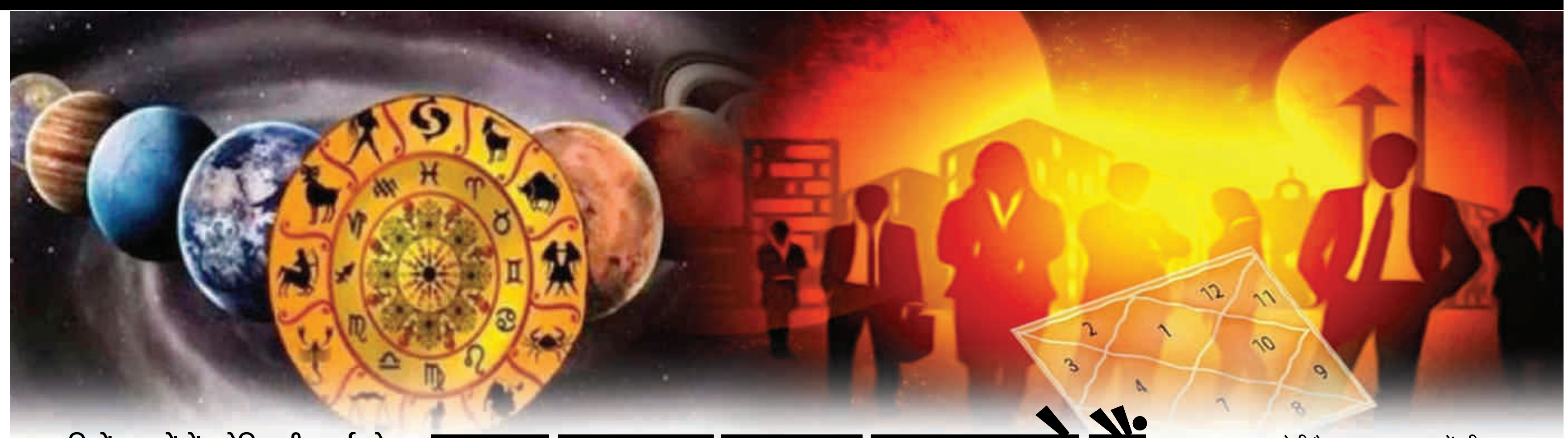

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

शांति बनाने में योगदान करने वाली बीईएसी से रूस ने पल्ला झाड़ा

मॉस्को । शांति तथा स्थिरता बनाने में योगदान करने वाली संस्था बीईएसी से रूस अलग हट गया है। मिली जानकारी के अनुसार विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रूस ने बैरेंट्स यूरो-आर्कटिक काउंसिल (बीईएसी) से हटने का फैसला किया है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार बीईएसी पिछले 30 वर्षों से सीमा पार बातचीत के लिए एक उपयोगी और प्रभावी प्रारूप रहा है, और इसने उत्तर में शांति और स्थिरता बनाए रखने में योगदान दिया है। बयान में कहा गया है कि परिषद के पश्चिमी सदस्यों के कारण मार्च 2022 से परिषद की गतिविधियां रुकी हुई हैं और फिनलैंड ने अक्टूबर 2023 में बीईएसी की अध्यक्षता रूस को हस्तांतरित करने की अपनी तैयारी की पुष्टि नहीं की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में, हम बीईएसी से रूस की वापसी की घोषणा करने के लिए मजबूर हैं। इसमें कहा गया है ?कि रूस उत्तर में अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों को लागू करना जारी रखेगा। हम हर किसी के साथ बातचीत के लिए खुले हैं, जो रचनात्मक दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है, और समान बातचीत और पारस्परिक रूप से लाभप्रद टीम वर्क के लिए तैयार है। गौरतलब है कि बीईएसी की स्थापना 1993 में हुई थी और इसका उद्देश्य बैरेंट्स क्षेत्र में स्थिरता और सतत विकास को बढ़ावा देना है।

बस खाई में गिरी, 24 यात्रियों की मौके पर ही मौत

लीमा । पेरू के हुआनकेवेलिका क्षेत्र में एक यात्री बस खाई में गिरने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में 24 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के हवाले से ये जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना सोमवार को स्थानीय समयानुसार लगभग 1:30 बजे चुरकम्पा प्रांत के पहाड़ी इलाके में हुई। मरने वालों में कुछ नाबालिग भी शामिल हैं। घायलों को हुआनकायो, पम्पास और अयाकुचो शहरों के अस्पतालों में ले जाया गया। एंको के जिला मेयर, मैनुअल ज़ेवलोस ने रेडियो स्टेशन को बताया कि क्षेत्र में हिमस्खलन के चलते सड़क कम से कम एक महीने से खराब स्थिति में है।

चीन की यूनिवर्सिटी में पढ़ाए जा रहे जासूस पकड़ने के तरीके

बीजिंग । चीन में इन दिनों आम जनता को जासूस बनाने पर शी जिनपिंग की सरकार तूली हुई है। इसके लिए चीन की सरकार की तरफ से क्रैश कोर्स कराया जा रहा है। इस कोर्स के तहत बीजिंग के शीर्ष विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रम में जासूसों को पकड़ने के तरीके पर एक क्रैश कोर्स जोड़ा है। यह फैसला चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा मई में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद लिया गया है। चीन ने तभी एक नया जासूसी विरोधी कानून भी पारित किया और लोगों को चेतावनी दी है कि विदेशी ताकतें देश के ऊर्जा क्षेत्र में घुसपैठ कर रही हैं। इस फैसले के जरिए शी जिनपिंग की सरकार इन दिनों विदेशी ताकतों के खिलाफ देशवासियों को खड़ा कर रही है। सरकार द्वारा संचालित सिंघुआ विश्वविद्यालय में शिक्षकों और छात्रों को विदेशी ताकतों के खिलाफ रक्षा पंक्ति बनने का निर्देश देते हुए वीडियो दिखाए गए। बीजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी ने एक राष्ट्रीय-सुरक्षा थीम वाली गार्डन पार्टी आयोजित की, जबकि बेइहांग विश्वविद्यालय के छात्रों को हूज़ द स्पाई नामक एक इंटरैक्टिव ट्रेनिंग गेम खिलाया गया। बर्लिन में मर्कटर इंस्टीट्यूट फॉर चाइना स्टडीज में राजनीति और समाज कार्यक्रम की प्रमुख काटजा ड्रिनहाउज़ेन का कहना है कि आर्थिक दबाव के समय, शीर्ष नेतृत्व में काफी स्पष्ट चिंताएं हैं। राजनीतिक और सामाजिक सामंजस्य बनाने के तरीके के रूप में सामूहिक भय का उपयोग करना एक बहुत ही खतरनाक खेल है। बता दें कि इससे पहले चीन ने जासूसी की सफलतापूर्वक रिपोर्ट करने वाले नागरिकों को 500,000 युआन (68,160) तक की पेशकश की थी। सरकार ने कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों और सरकारी कर्मचारियों को रहस्य रखने के बारे में अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में मदद करने के लिए एक ऐप भी लॉन्च किया है।

रूसी हमले से दहला ल्वीव, गोदाम में लगी भीषण आग; कई लोग घायल

– रूस की ओर से इस हमले पर कोई तत्काल टिप्पणी नहीं आई

यूक्रेन । रूस-यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर पश्चिमी यूक्रेन का शहर ल्वीव मंगलवार तड़के विस्फोटों से दहल गया। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रूसी हवाई हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया और एक औद्योगिक गोदाम में भी भीषण आग लग गई। ल्वीव के क्षेत्र के गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा ?कि ल्वीव में हुए हमले के बाद मलबे के नीचे एक महिला और एक पुरुष पाए गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक पाई गई महिला घायल नहीं हुई थी, लेकिन पुरुष की हालत गंभीर है। हालांकि, हमले के क्षमता और होने वाली क्षति का तत्काल रूप से पता नहीं चल सका है। एक समाचार एजेंसी स्वतंत्र रूप से रिपोर्ट की पुष्टि नहीं कर सकी। फिलहाल रूस की ओर से इस हमले पर कोई तत्काल टिप्पणी नहीं आई है। ल्वीव शहर के मेयर एंड्री सदोवी का कहना है ?कि क्षेत्र के लिए हवाई हमले के अलर्ट को लगभग तीन घंटे बाद लगभग 3 बजे खत्म कर दिया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक दिन पहले ही बड़ा दावा किया था कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कब्जे से बखमुत के दक्षिणी किनारे पर स्थित क्लिशचिवका गांव पर फिर से कब्जा कर लिया है। गौरतलब है कि जिस गांव पर कब्जे का दावा किया गया है, वहां पर युद्ध से पहले 400 लोगों की आबादी बसती थी। बता दें कि रूस ने यूक्रेन पर फरवरी 2022 में हमला किया था, जिसके बाद रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर कब्जा कर लिया। हालांकि, डेढ़ साल से अधिक समय बीत जाने के बाद युद्ध को लेकर कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

महिला को मछली खाना पड़ा भारी, सेप्सिस की वजह से कोमा में चली गई

वॉशिंगटन । अमेरिका में एक महिला को मछली खाना भारी पड़ गया। महिला के अंगों ने काम करना बंद कर ?दिया तो उसे अस्पताल में ले जाना पड़ा जहां महिला कोमा में चली गई। अब उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि महिला के शरीर के चार अंगों ने काम करना बंद कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैलिफोर्निया की रहने वाली 40 वर्षीय लॉरा बाराजस को मछली खाने का बहुत शौक था। वह आए दिन मछली ले आती थीं, खुद बनाती थीं और परिवार के साथ खाना पसंद करती थीं। मगर जुलाई में उनका यह शौक जानलेवा बन गया। लॉरा की दोस्त अन्ना मेसिना ने बताया कि सैन जोस मार्केट से वह तिलपिया मछली खरीदकर लाई। रात को बनाया और खाकर सभी सोने चले गए। लेकिन कुछ ही घंटों में उसकी हालत खराब हो गई। सांस लेने में दिक्कत होने लगी। लॉरा बाराजस को लेकर लोग अस्पताल भागे तो पता चला कि वह कोमा में चली गई है। उसे तुरंत वेंटिलेटर पर रखा गया। उसकी उंगलियां तथा पैर काले हो गए थे। निचला होंठ पूरी तरह काला पड़ चुका था। उसे पूरी तरह से सेप्सिस हो गया था और उसकी किडनी खराब हो रही थी। डॉक्टरों ने बताया कि उसे एक बैक्टीरियल इंफेक्शन हो गया है। जब उन्होंने इसकी वजह बताई तो सब हैरान रह गए। बाराजस ने जो मछली बनाई थी वह कच्ची रह गई थी, जिसकी वजह से उसे यह घातक इंफेक्शन हुआ। बीते गुरुवार को उसकी सर्जरी की गई और कई अंगों का ट्रांसप्लांट किया गया। अभी भी वह जीवन मौत के बीच झूल रही है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. नताशा स्पोटिसवूड के मुताबिक, कोई भी इस बैक्टीरिया की चपेट में आ सकता है। अगर आप कोई दूषित चीज खा रहे हैं तो यह संक्रमण आपको चपेट में ले सकता है। बता दें कि अमेरिका में हर साल इस तरह के संक्रमण के लगभग 150-200 मामले सामने आते हैं और संक्रमण से पीड़ित पांच में से एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर रहता है, उन्हें यह घातक संक्रमण होता है।

दुनिया की सबसे बड़ी अदालत में यूक्रेन ने रुस पर लगाए गंभीर आरोप

हेग । दुनिया की सबसे बड़ी अदालत में रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर सुनवाई चल रही है। इस बीच कीव ने इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस से दो मांग कर दी है। यूक्रेन के वकीलों ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत के पास रूस के खिलाफ कीव के मामले की सुनवाई का अधिकार क्षेत्र है। कीव चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अदालत अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश रूस को अपने हमले रोकने और मुआवजा देने का आदेश दें। हालांकि, ऐसा लगता नहीं है कि मॉस्को इसका कोई भी अनुपालन करेगा।

इटली के लैम्पेडुसा के सिसिली द्वीप के पास समुद्र में बचाए जाने के बाद प्रवासी इतालवी तट रक्षक जहाज पर पहुंचे।

लंदन जाने वाले भारतीयों को बड़ा झटका

लंदन । विदेश जाकर सैटेल और पढ़ाई के लिए जाने वाले भारतीयों के लिए बड़ी खबर है। लंदन जाने वाले अब भारतीयों को बड़ा झटका लगा। दरअसल, भारत से पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाने वाले छात्रों को अगले महीने से अब ज्यादा फीस चुकानी होगी। ब्रिटेन की सरकार ने भारत समेत दुनिया भर से देश में आने वाले आगंतुकों एवं छात्रों के लिये वीजा शुल्क में बढोत्तरी करने की घोषणा की है और यह बढ़ोतरी आगामी चार अक्टूबर से प्रभावी होगी। आगंतुकों को अब छह महीने से कम अवधि वाले दौरे के वीजा के लिए 15 पाउंड और छात्र वीजा के लिए 127 पाउंड अधिक खर्च करने होंगे। शुक्रवार को संसद में पेश किए गए अध्यादेश के बाद, ब्रिटेन के गृह विभाग ने कहा कि बदलावों का मतलब है कि छह महीने से कम समय के दौरे के वीज़ा की लागत बढ़कर 115 पाउंड हो जाएगी और छात्र वीज़ा के आवेदकों को अब 490 पाउंड खर्च करना होगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने जुलाई में घोषणा की थी कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र की वेतन वृद्धि को पूरा करने के लिए वीजा आवेदकों द्वारा ब्रिटेन की वित्त पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के लिए भुगतान की जाने वाली फीस और स्वास्थ्य अधिभार में बड़ी वृद्धि होने वाली है। सुनक ने उस वक्त कहा था, हम इस देश में आने वाले प्रवासियों के वीजा के लिए आवेदन करने पर लगने वाले शुल्क को बढ़ाने जा रहे हैं। इसे वस्तुत- आव्रजन स्वास्थ्य अधिभार (आईएचएस) कहा जाता है, जो एक प्रकार का लेवी (शुल्क) है जिसका वे एनएचएस तक पहुंचने के लिए भुगतान करते हैं। ब्रिटेन के गृह विभाग ने इस हफ्ते अधिकांश कार्य एवं यात्रा वीजा की लागत में 15 प्रतिशत की वृद्धि और प्राथमिकता वाले वीजा, अध्ययन वीजा और प्रायोजन के प्रमाण पत्र की लागत में कम से कम 20 प्रतिशत की वृद्धि का संकेत दिया था।

पीएम ट्रूडो का बड़ा बयान, निज्जर की हत्या के पीछे भारत का हाथ

–कनाडा ने टॉप भारतीय डिप्लोमैट को देश से निकाला, महौल हुआ तनावपूर्ण

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा ने खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के पीछे भारत का हाथ होने की आशंका व्यक्त की है। इसी के चलते कनाडा के टॉप भारतीय डिप्लोमैट को देश से निकाल दिया है, और कहा है कि भारत सरकार की कोई भी संलिप्तता स्वीकार्य नहीं होगी। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर सिंह की हत्या के पीछे भारत का कनेक्शन ढूंढा जा रहा है। देश की सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार और खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच करने में जुटी है। ट्रूडो ने ओटावा में हाउस ऑफ कॉमन्स को संबोधित करते हुए कहा कि कनाडा की सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार और कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बीच की संभावित कड़ी के आरोपों की सक्रियता से जांच कर रही है। पीएम ट्रूडो ने भारत सरकार से अपील की है कि इस मसले की तह तक जाने में हमारा सहयोग करें। गौरतलब है कि खालिस्तान टाइगर फोर्स के चीफ हरदीप सिंह की कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ था। वह बीते कई सालों से कनाडा में रह रहा था और वहां से भारत के खिलाफ खालिस्तानी आतंकवाद को हवा दे रहा था। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, निज्जर भारतीय जांच एजेंसियों के लिए पिछले एक साल में इसलिए और भी ज्यादा बड़ा सिरदर्द बन गया था क्योंकि उसने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों को विदेशों में लॉजिस्टिक और पैसा मुहैया करवाना शुरू कर दिया था। निज्जर की 18 जून को कनाडा के सरे में स्थित गुरुद्वारे के पास गोली मार दी गई थी। जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी। निज्जर पंजाब के जालंधर में स्थित भरसिंगपुर का रहने वाला था।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ड्रूडो ने कहा कि हमारे देश के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के पास इस बात पर भरोसा करने की वजह है कि भारत सरकार के एजेंट्स कनाडा के नागरिक की हत्या के पीछे हो सकते हैं। निज्जर सरे गुरु नानक सिंग गुरुद्वारे का अध्यक्ष भी रह चुका था। उन्होंने कहा कि कनाडा के नागरिक की हत्या में विदेशी हाथ को या फिर दूसरे देश की सरकार की संलिप्तता को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी और कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के बीच जी20 के दौरान द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। इस दौरान पीएम मोदी ने ट्रूडो के सामने खालिस्तान का मुद्दा उठाया था।

कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि एक शीर्ष भारतीय डिप्लोमैट को निष्कासित कर दिया है। कनाडा में एक सिख कार्यकर्ता की हत्या में भारत सरकार का हाथ होने के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों की जांच के बीच वहां की सरकार ने शीर्ष भारतीय राजनयिक को देश ने निष्कासित कर दिया है। उन्होंने पिछले सप्ताह जी20 शिखर सम्मेलन में अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी के सामने इस हत्याकांड का मामला उठाया था। भारत सरकार की कोई भी संलिप्तता अस्वीकार्य करते हुए जांच में सहयोग देने का आग्रह भी किया है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप कनाडा में भारतीय खुफिया प्रमुख को निष्कासित कर दिया गया है।

जस्टिन ट्रूडो ने जी7 देशों के सामने निकाली जी20 की भड़ास

टोरंटो । भारत यात्रा के बाद उनके अपने देश में हुई फजीहत के बाद जस्टिन ट्रूडो की बौखलाहट सामने आ रही हैं। जस्टिन ट्रूडो ने अब भारत पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को हुई जी7 की बैठक के दौरान भी यह मुद्दा उठाया, और जी20 के दौरान भारत के पीएम मोदी से हुई बातचीत की भड़ास भी निकाली।

अमरीकी राष्ट्रपति की दावेदारी को लेकर बढ़ी रामास्वामी की लोकप्रियता

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति की दावेदारी को लेकर भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी चर्चा इन दिनों सुर्खियों में है। विवेक रामास्वामी ने बताया कि कुछ लोग मेरी तरक्की से नाराज हैं। वे मानते हैं कि 38 साल का व्यक्ति अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिए बहुत छोटा है, जबकि थॉमस जेफरसन जब 33 साल के थे, तब उन्होंने अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा लिखी थी। यही नहीं, जेफरसन ने उस समय घूमने वाली कुर्सी का भी अविष्कार किया था।

रामास्वामी ने कहा कि दूसरी डिबेट में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसके बाद से विरोधियों द्वारा मेरी आलोचना तेज कर दी गई है। गौरतलब है कि नए सर्वे से पता चला है कि रामास्वामी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अगस्त के प्रदर्शन से वह 12 अंक ऊपर हैं। वे कहते हैं, मैं कट्टरपंथी बाइडन एजेंडे की ज्यादा आलोचना नहीं करता, क्योंकि मुझे लगता है कि यह ध्यान केंद्रित करने की गलत जगह है। लेकिन एकजुटता के लिए हमें अपना दृष्टिकोण पेश करना होगा।

उल्लेखनीय है कि रामास्वामी ने 23 अगस्त को हुई रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की प्राथमिक बहस में लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया था। बहस के बाद सामने आए सर्वे में 504 उत्तरदाताओं में से 28 प्रतिशत ने यह माना कि रामास्वामी ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उनके बाद फ्लोरिडा के गर्वनर रॉन डिसेंटिस (27 प्रतिशत) और पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस (13) हैं और भारतीय अमेरिकी निक्की हेली को सात फीसदी वोट मिले।

एच-1बी वीजा खत्म करेंगे विवेक रामास्वामी

वॉशिंगटन। अमेरिका में अगले साल होने वाले प्रेसिडेंशियल इलेक्शन होने वाले हैं। इसमें रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी कैंडिडेट बनने की रेस में शामिल हैं। विवेक ने एच-1बी वीजा के मुद्दे पर अहम बयान दिया। कहा- मैं अगर प्रेसिडेंट बनता हूं कि इस वीजा को खत्म करने एक नया वीजा सिस्टम लॉन्च करूंगा। एच-1बी सिस्टम एक तरह से 'कॉन्ट्रैक्ट लेबर' या बंधुआ मजदूरी और गुलामी का प्रतीक है। खास बात यह है कि खुद विवेक ने 2018 से 2023 तक इसी वीजा कैटेगरी का इस्तेमाल 29 बार किया है। ऐसे में इस कैटेगरी को खत्म करने का वादा करके उन्होंने नई बहस को जन्म दे दिया है।

अमेरिका-ईरान के बीच कैदियों की अदला-बदली हुई

कतर (एजेंसी)। ईरान के साथ कैदियों की अदला-बदली के तहत अमेरिका द्वारा मांगे गए पांच बंदी तेहरान से रवाना होकर कतर पहुंचे। बंदियों के कतर पहुंचने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, ईरान में कैद पांच निर्दोष अमेरिकी मंगलवार को आखिरकार अपने घर वापस आ रहे हैं। विमान के पहुंचने पर कतर में अमेरिकी राजदूत ने बंदियों से मुलाकात की।

इसके पहले दिन में, उड़ान की आवाजाही संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर पता लगाया कि कतर एयरवेज के विमान ने तेहरान के मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी, जिसका उपयोग अतीत में भी कैदियों की अदला-बदली में किया जाता रहा है।

इसके तुरंत बाद, ईरान की सरकारी मीडिया ने कहा कि विमान ने तेहरान से उड़ान भर ली है। अधिकारी ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर इसकी जानकारी दी, क्योंकि कैदियों की अदला-बदली की प्रक्रिया अभी जारी है।

दिन में अधिकारियों ने बताया था कि कभी लेन-देन पर रोक लगा दी गई करीब छह अरब डॉलर की ईरानी संपत्ति कतर पहुंचने के बाद कैदियों की यह अदला-बदली होगी। यह अदला-बदली के मुख्य शर्तों में से है। कैदियों की अदला-बदली का मतलब यह नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम हो गया है। दोनों देशों के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम सहित विभिन्न मुद्दों पर तनाव की स्थिति है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नसीर कनानी ने स्वीकार किया था कि कैदियों की अदला-बदली सोमवार को होगी। उन्होंने बताया कि अदला-बदली के लिए मांगी गई नकद रकम अब कतर के पास है। यह रकम पहले दक्षिण कोरिया के पास थी।

कनानी ने कहा, जहां तक कैदियों की अदला बदली की बात है, यह आज होगा और इस्लामिक गणराज्य के पांच नागरिक अमेरिका की जेल से रिहा किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ईरान में बंदी बनाए गए पांच कैदियों को अमेरिका को सौंपा जाएगा।

अमेरिकी लोकतंत्र को नष्ट करना चाहते हैं ट्रंप, उम्र को लेकर सवाल पर बाइडेन ने दिया ये जवाब

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के अब तक के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार को कहा कि उनकी उम्र को लेकर चर्चा हो रही है, लेकिन वह फिर से चुनाव की रेस में हैं। बाइडेन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी लोकतंत्र को नष्ट करना चाहते हैं। 80 वर्षीय व्यक्ति आमतौर पर उम्र के मुद्दे से बचते हैं, लेकिन उन्होंने न्यूयॉर्क के ब्रॉडवे थिएटर में एक फंडरेजर के दौरान इसे संबोधित करते हुए कहा कि उनके अनुभव ने उन्हें यूक्रेन और कोविड-19 जैसे संकटों से निपटने में मदद की। बाइडेन ने कहा कि ऐसा लगता है कि बहुत से लोग मेरी उम्र पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मुझे यह मिल गया है, मेरा विश्वास करो, मैं इसे किसी से भी अधिक जानता हूं।

उन्होंने कहा कि मैं इसलिए दौड़ रहा हूं क्योंकि लोकतंत्र दांव पर है, क्योंकि 2024 में लोकतंत्र एक बार फिर मतदान पर है। और कोई सवाल नहीं होना चाहिए। डोनाल्ड ट्रम्प और उनके एमएजीए रिपब्लिकन अमेरिकी लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए दृढ़ हैं। डेमोक्रेट ने कहा कि वह 'तानाशाहों के सामने झुकेंगे नहीं और उन्होंने ट्रम्प पर जिसका नारा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) है रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ऐसा करने का आरोप लगाया। जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अमेरिकी मतदाताओं को ट्रम्प के खिलाफ अगले साल संभावित दोबारा मैच से पहले बाइडेन की उम्र को लेकर चिंता है।

एक प्रभावशाली अमेरिकी स्तंभकार, वाशिंगटन पोस्ट के डेविड इग्नाटियस ने उस समय हलचल मचा दी जब उन्होंने पिछले सप्ताह बिडेन से चुनाव न लड़ने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि बिडेन ने ट्रम्प को हराकर अपनी 'सबसे बड़ी उपलब्धि' को कम करने का जोखिम उठाया है। बाइडेन इस सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग ले रहे हैं, दूसरे कार्यकाल के अंत में 86 वर्ष के हो जाएंगे और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी लगातार इस मुद्दे पर निशाना साध रहे हैं।

भारत-कनाडा के बीच तनाव, अमेरिका ने कहा नजर बनाए हुए

वाशिंगटन । अमेरिका ने कहा है कि वह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों से बहुत चिंतित है। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा कि हम प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा संदर्भित आरोपों के बारे में गहराई से चिंतित हैं। हम अपने कनाडाई साझेदारों के साथ नियमित संपर्क में रहते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि कनाडा की जांच आगे बढ़े और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। दरअसल हाउस ऑफ कॉमन्स में एक भाषण में ट्रूडो ने कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार के एजेंटों और एक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बीच संभावित संबंध के विश्वसनीय आरोपों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही हैं। ट्रूडो के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया देकर भारत ने उन्हें बेतुका और प्रेरित बताया। इस बीच, कनाडा ने एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित कर दिया क्योंकि वह हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में ट्रूडो के दावों की जांच कर रहा था।

पुतिन की पकड़ हो रही कमजोर, अमेरिका के पाले में जाता दिख रहा आर्मीनिया

–रुस ने गंभीर परिणाम भुगताने की दी धमकी

मॉस्को (एजेंसी)। अजरबैजान की सेना हजारों की तादाद में फिर से आर्मीनिया के सीमा के पास जमा हो रही है। ये सैनिक अपने टैंक और अन्य हथियारों पर एक खास तरीके का निशान बना रहे हैं जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि वे हमला करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच आर्मीनिया का अपने सबसे पुराने दोस्त रूस पर से भरोसा उठता दिख रहा है। आर्मीनिया भी अमेरिका और पश्चिमी देशों के पाले में जाता दिख रहा है। आर्मीनिया ने रूस से अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालत के अधिकार क्षेत्र को लेकर चर्चा शुरू की है। आर्मीनिया के कदम का रूस ने कड़ा विरोध कर पुतिन सरकार ने धमकी दी है। दरअसल, यह वहीं कोर्ट है जो कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर रखा है।

आर्मीनिया रूस का सबसे पुराना दोस्त है, लेकिन यूक्रेन पर पुतिन के हमले के बाद दोनों देशों के बीच संबंध अब काफी खराब होते जा रहे हैं। आर्मीनिया ने कहा है कि वह आपराधिक अदालत के अधिकार क्षेत्र में शामिल होने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस बीच रूस ने आर्मीनिया को धमकी दी है कि अगर ऐसा किया तब उस गंभीर परिणाम भुगतना होगा। दरअसल, अजरबैजान ने जब नगर्नो कराबाख पर हमला किया था, तब रूस ने आर्मीनिया को सुलह समझौते के तहत सुरक्षा का आश्वासन दिया था।

रूस यूक्रेन युद्ध में फंसने के बाद अपने वादे को पूरा करने में फेल साबित हो रहा है। वहीं अजरबैजान भीषण हमले कर रहा है। इसकारण अभी कुछ दिन पहले ही आर्मीनिया के प्रधानमंत्री ने दो टूक कह दिया था कि उनका देश रूस के ऊपर सुरक्षा के गारंटी के रूप में भरोसा नहीं कर सकता है। यह पूरा इलाका दशकों से रूस के प्रभाव वाला रहा है लेकिन अब पुतिन की पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं रूस के कमजोर होते ही अमेरिका ने आर्मीनिया में अपनी भूमिका बढ़ा दी है।

अमेरिका के सैनिक अब आर्मीनिया में शांतिरक्षक ट्रेनिंग के नाम पर पहुंचे हैं जिससे रूस की सरकार भड़की हुई है। यह अभ्यास 10 दिनों तक चलेगा जिसमें अमेरिका के 85 सैनिक और आर्मीनिया के 175 सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। यह अभ्यास भले ही बहुत छोटे स्तर का हो लेकिन अभ्यास को रूस के विदेश मंत्रालय ने अपने दोस्त आर्मीनिया का गैर दोस्ताना कदम करार दिया है।

यही नहीं आर्मीनिया ने हाल ही में पहली बार यूक्रेन को मानवीय मदद भेजी है। अगर आर्मीनिया की संसद अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालत के अधिकार क्षेत्र को लेकर अपनी मंजूरी दे दी, तब अपने सबसे पुराने दोस्त देशों में से एक में पुतिन अब कदम नहीं रख पाएंगे।

बेंगलुरु में ढाई करोड़ रुपये से सजा गणपति बप्पा का दरबार

बेंगलुरु। इन दिनों भक्त भगवान गणेश की भक्ति के रंग में सराबोर है। देश भर में एक अलग ही धूम देखने को मिल रही है। गणेश उत्सव के दिनों में हर ओर एक से बढ़कर एक पंडाल देखने को मिल रहे हैं। इसी बीच कर्नाटक के बेंगलुरु का एक मंदिर चर्चा में बना हुआ हैं, जहां गणपति मंदिर परिसर को करीब ढाई करोड़ रुपये के सिक्कों और नोटों से सजाया गया है। बेंगलुरु और समूचे कर्नाटक में गणेश चतुर्थी उत्सव धार्मिक उत्साह के साथ शुरू हो गया। श्रद्धालु भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिरों और पंडालों में जा रहे हैं। अपनी अनूठी सजावट के चलते सत्यगणति मंदिर श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रहा है। न्यासियों के मुताबिक, मंदिर का प्रबंधन संभाल रहे गणपति शिर्डी साई न्यास ने पांच, 10 और 20 रुपये के सिक्कों की मालाएं तैयार की हैं। इसी के साथ-साथ 10,20,50,100,200 और 500 रुपये के नोटों की भी मालाएं तैयार की गई हैं। ये सभी मालाएं करीब ढाई करोड़ रुपये की हैं। एक न्यासी ने बताया कि करीब 150 लोगों की टीम ने एक महीने के दौरान सिक्कों और नोटों की मालाओं से मंदिर की सजावट की। मंदिर के ट्रस्टी ने बताया कि हर साल मंदिर के परिसर को अलग-अलग तरीकों से तैयार होता है। इस बार मंदिर के सभी ट्रस्टी ने सिक्कों और नोटों की मदद से कुछ अलग करने का विचार किया। परिसर को सजाने में कुल 52.50 लाख सिक्के और दो करोड़ छह लाख नोट लगे हैं। इसके लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। सिक्कों का इस्तेमाल कर कलात्मक चित्रण किया गया है। इनमें भगवान गणेश, जय कर्नाटक, राष्ट्र प्रथम, विक्रम लैंडर, चंद्रयान और जय जवान जय किसान की छवियां शामिल हैं।

आईएसआई को खुफिया जानकारियां देने वाला सेना का जवान गिरफ्तार

नई दिल्ली। पाकिस्तान की आईएसआई को खुफिया जानकारी देने के आरोप में पंजाब पुलिस ने बीते सप्ताह सेना के एक जवान को गिरफ्तार किया था। पता चला है कि वह एक ड्रग स्मग्लर के साथ मिलकर पाकिस्तानी आईएसआई के लिए काम कर रहा था। उसने चंडीमंदिर स्थित पश्चिमी कमांड हेडक्वार्टर से सेना के बारे में कई खुफिया जानकारियां निकालकर ड्रग तस्कर को दी थी। आरोपी सिपाही का नाम मनप्रीत शर्मा है। पटयाला पुलिस ने उसे भोपाल से गिरफ्तार किया था जहां वह स्ट्राइक कोर में पोस्टेड था। सूत्रों का कहना है कि वह पहले वेस्टर्न कमांड में काम करता था और उसके पास कई कंप्यूटरों का भी ऐक्सेस था। इसी दौरान उसने खुफिया जानकारियों को जुटा लिया और उन्हें एक ड्रग तस्कर अमरीक सिंह को दे दीं। पटियाला पुलिस के साथ मिलकर आर्मी इस बात की जांचपड़ताल करने में लगी है कि आखिर कौन सी जानकारियां लीक की गई है। इसके अलावा जवान को कंप्यूटर का ऐक्सेस कैसे मिला। जानकारी के मुताबिक बीते कई दिनों से आर्मी के वेस्टर्म कमांड में सारे कंप्यूटरों और इसके अलावा डिस्क, पेनड्राइव में स्टोर डेटा का ऑडिट किया जा रहा है और पता लगाने की कोशिश हो रही है कि जो जानकारियां लीक हुई हैं वे कितनी संवेदनशील हो सकती हैं। इसको लेकर कई अधिकारियों से पूछताछ भी हो रही है। यह भी पता चला है कि नई दिल्ली स्थित सेना के मुख्यालय से इस मामले में वेस्टर्न कमांड से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। पटियाला के एसएसपी वरुण शर्मा ने मीडिया को बताया कि आर्मी का सिपाही कुछ समय तक कैथल जेल में भी रहा। उसपर एक विवाद को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। हो सकता है कि वहीं से वह किसी अपराधी के संपर्क में आया हो।

हर किसी को अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी व्यक्ति के जीवन साथी चुनने के अधिकार को आस्था और धर्म के मामलों तक सीमित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि शादी करने का अधिकार मानवीय स्वतंत्रता है और जब इसमें वयस्कों की सहमति शामिल हो तो इसे राज्य, समाज या माता-पिता द्वारा निर्धारित नहीं किया जाना चाहिए। यह टिप्पणी तब आई जब न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने महिला के परिवार से धमकियों का सामना कर रहे एक जोड़े को सुरक्षा दी। इस बालिग जोड़े ने अपने माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध, विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत विवाह किया, जिसके कारण उन्हें लगातार धमकियां मिलती रहीं। अदालत ने कहा कि अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का अभिन्न अंग है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि व्यक्तिगत पसंद, विशेष रूप से विवाह के मामलों में, अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। न्यायमूर्ति बनर्जी ने कहा कि महिला के माता-पिता जोड़े के जीवन और स्वतंत्रता को खतरे में नहीं डाल सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने व्यक्तिगत निर्णयों और विकल्पों के लिए सामाजिक अनुमोदन की जरूरत नहीं है। अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जोड़े को एक बीट कांस्टेबल और एसएचओ की संपर्क जानकारी प्रदान करें, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पंजाब में कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या

मोगा। पंजाब के मोगा जिले में एक अज्ञात हमलावर एक स्थानीय कांग्रेस नेता के घर में जबरन घुस गया और उन्हें गोली मार दी। हालांकि पुलिस ने यह नहीं बताया कि नेता की हत्या किसने की. लेकिन ऐसी खबरें हैं कि इस घटना के पीछे खालिस्तानी आतंकी हैं। एक कथित सीसीटीवी फुटेज में हमलावर को भागने से पहले 45 साल के बलजिंदर सिंह बल्ली पर गोलीबारी करते हुए देखा गया। यह दुखद घटना बल्ली के गृहनगर डाला में सामने आई। घातक गोलीबारी के कुछ घंटों बाद, कनाडा स्थित खालिस्तानी आतंकवादी अर्श डाला ने एक फेसबुक पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार अस्पताल ले जाने के बावजूद, बल्ली ने अंततः दम तोड़ दिया. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जे एलनचेझियन ने अन्य अधिकारियों के साथ तुरंत घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि जांच सक्रिय रूप से चल रही है। बल्ली मोगा जिले के अजीतवाल ब्लॉक के पार्टी अध्यक्ष का पद संभाल रहे थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा और पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने इस जघन्य कृत्य की स्पष्ट रूप से निंदा की। बाजवा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा ?कि एक दर्दनाक घटना में जिला मोगा के अजीतवाल ब्लॉक के कांग्रेस अध्यक्ष बलजिंदर सिंह बल्ली की उनके आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मैं इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं।

कश्मीर में लू जारी रहने से नदियों में घट रहा पानी, सेब का रंग फीका पड़ने की आशंका

श्रीनगर। कश्मीर में पिछले सात सप्ताह से शुष्क मौसम और सामान्य से अधिक तापमान के कारण बागवानी उत्पादन, विशेषकर सेब विशेषज्ञों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। मौसम के कारण झेलम और अन्य जल निकायों के जल स्तर में भी गिरावट आई है। प्रभासाक्षी से बात करते हुए, पर्यावरण विशेषज्ञ कहते हैं, यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण है, कश्मीर में गर्म दिन चल रहे हैं और प्रमुख नदियों में जल स्तर सबसे कम हो गया है। कश्मीर भारत का सबसे बड़ा सेब उत्पादक है, जो हर साल लगभग 20 लाख मीट्रिक टन सेब का उत्पादन करता है। उन्होंने कहा कि अगर बारिश की कमी जारी रही, तो इसका क्षेत्र में केसर और आलू के उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। घाटी में लू से लेकर भीषण लू के साथ उच्च तापमान का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले हमने आपको बताया था कि उच्च घनत्व वाले सेब की खेती जम्मू-कश्मीर में इस उद्योग में क्रांति ला रही है। ऐसे सेब के बागान की मांग हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। घाटी के विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादकों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई कारणों से नुकसान देखने के बाद, उच्च घनत्व वाले सेब की खेती ने उनके चेहरे पर मुस्कान वापस ला दी है क्योंकि इससे बाजार में अच्छी कमाई हुई है। उन्होंने कहा कि सेब की नई किस्में 2019 के बाद कश्मीर में पेश की गईं और उनके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वे अपने रोपण के एक साल बाद ही फल देना शुरू कर देते हैं और चौथे या पांचवें वर्ष में पूर्ण उत्पादन तक पहुंच जाते हैं।

विदेश में रहने वाले शख्स पर एफआईआर, व्हाट्सएप पर दिया तीन तलाक

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने वाट्सएप पर तीन तलाक देने वाले एक विदेशी शख्स पर एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार विदेश में रहने वाले अब्दुल रशीद के खिलाफ अपनी पत्नी को तीन तलाक संदेश भेजने के आरोप में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मामला सुलिया थाने में दर्ज कराया गया है।

तमिलनाडू के लिए खुशखबरी, कर्नाटक ने कृष्णा राजा सागर बांध से छोड़ा पानी

मांड्या (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को मांड्या जिले के कृष्णा राजा सागर बांध से पांच हजार क्यूसेक पानी छोड़ा है। अगले 15 दिनों तक कृष्णा राजा सागर बांध से पानी छोड़ा जाएगा। कर्नाटक ने रात से ही बांध से पानी छोड़ने की शुरुआत कर दी है। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने आदेश दिया था कि 13 सितंबर से अगले 15 दिनों के लिए 5000 क्यूसेक की आपूर्ति जारी रखने के लिए कहा गया था।

यह कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के उस आदेश के बाद आया है जिसमें कर्नाटक को 13 सितंबर से अगले 15 दिनों तक 5000 क्यूसेक की आपूर्ति जारी रखने का आदेश दिया गया था। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई सीडब्ल्यूएमए की बैठक में यह फैसला लिया गया।

बैठक के बाद अधिकारी ने बताया कि कर्नाटक में कावेरी बेसिन में सूखे की गंभीरता के मद्देनजर ये कहा कि वह तब तक पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है, जब तक कि जलाशयों के प्रवाह में सुधार नहीं होता है। कर्नाटक सरकार की ओर से ये भी चिंता जाहिर की कि कावेरी बेसिन में सूखा बढ़ रहा है, जो पीने के पानी की जरूरतों और सिंचाई की न्यूनतम जरूरतों को भी जोखिम में डाल रहा है।

इसके पहले तमिलनाडु ने अगले 15 दिनों के लिए कुल 12,500 क्यूसेक पानी (जिसमें 6,500 क्यूसेक का बैकलॉग शामिल है) छोड़ने का आग्रह किया था। अंत में सीडब्ल्यूएमए ने सीडब्ल्यूआरसी की सिफारिशों को मानकर आदेश दिया है कि कर्नाटक को 5000 क्यूसेक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। बता दें कि सीडब्ल्यूएमए की अगली बैठक 26 सितंबर को होगी।

गौरतलब है कि मांड्या में किसान तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़े जाने का विरोध कर रहे हैं और राज्य सरकार द्वारा तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देशों का अनुपालन करने पर गहरा असंतोष भी व्यक्त कर रहे हैं। कावेरी जल बंटवारे को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु सरकारों के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई समझौता नहीं होना चाहिए, देश हित सबसे ऊपर : कांग्रेस

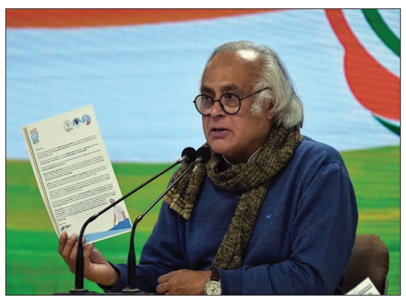

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कनाडा में एक अलगाववादी सिख नेता की हत्या पर वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए और देशहित को हमेशा सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, 'कांग्रेस का हमेशा से मानना रहा है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की लड़ाई में किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं होना चाहिए। विशेष रूप से तब, जब आतंकवाद से भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा हो।' उन्होंने कहा कि हमारे देश के हितों और चिंताओं को हमेशा सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इन आरोपों को ''बेतुका'' और ''बेबुनियाद'' बताकर खारिज कर दिया है कि कनाडा में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या संबंधी घटना में भारत सरकार के एजेंट का हाथ था।

इंडिया गठबंधन की इस मांग पर बैकफुट पर दिख रही ममता

-जातिगत जनगणना के पक्ष में नहीं टीएमसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया यानी नए विपक्षी गठबंधन में सिर्फ बैठकों का दौर जारी है और टकराव होने लगा हैं। खबर है कि जिस जातिगत जनगणना की मांग गुट के सभी दल उठा रहे हैं, उससे तृणमूल कांग्रेस दूरी बना रही है। इसकी वजह पश्चिम बंगाल की राजनीति है। कहा जा रहा है कि टीएमसी जातिगत जनगणना के खिलाफ है। फिलहाल, पार्टी अपनी सुप्रीमो ममता बनर्जी के लौटने का इंतजार कर रही है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के दिल्ली आवास पर 13 सितंबर को एक बैठक हुई थी। उस दौरान पार्टियों ने जातिगत जनगणना की मांग को उठाने का फैसला किया था। अब उस बैठक से टीएमसी गायब रही थी, क्योंकि अभिषेक बनर्जी ईडी की पूछताछ में शामिल हुए थे। मुंबई में हुई बैठक में मुख्यमंत्री बनर्जी पहुंचीं थीं, लेकिन कहा जा रहा है कि वह जातिगत जनगणना के मुद्दे पर शांत ही नजर आईं।

टीएममसी दिग्गज सौगत रॉय ने कहा, हमारी नेता ममता बनर्जी ने पहले ही कह दिया है कि हम जातिगत जनगणना के खिलाफ हैं। हमारा मानना है कि ऐसा करना लोगों के बीच बंटवारा पैदा कर देगा। हालांकि, उन्होंने विपक्षी दलों के साथ बैठकर इस समस्या को सुलझाने की भी बात की थी। टीएमसी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ममता बनर्जी को लगता है कि ऐसी जनगणना टीएमसी को नुकसान पहुंचा सकती है।

टीएमसी के एक नेता ने कहा, बंगाल की राजनीति जाति के इर्द गिर्द नहीं रहती है। अगर हम जातिगत जनगणना का समर्थन करते हैं, तब इसका मतलब होगा कि हम जाति आधारित राजनीति का समर्थन कर रहे हैं, जो बंगाल में हमारे मत और छवि को नुकसान पहुंचाएगी। हमें भाजपा के खिलाफ गठबंधन में रहना भी जरूरी है। इसके बाद जातिगत जनगणना पर अंतिम फैसला सुप्रीमो ममता बनर्जी लेंगी। बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन में शामिल जनता दल यूनाइटेड और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल चीफ लालू प्रसाद यादव जातिगत जनगणना के समर्थक रहे हैं। इधर, इस मामले पर सीपीएम ने भी टीएमसी पर निशाना साधा है। सीपीएम नेता सुजान चक्रवर्ती ने कहा, हम जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं और इंडिया ने भी जातिगत जनगणना की मांग के लिए बयान दिया है, लेकिन सिर्फ भाजपा और टीएमसी ही इसका विरोध कर रहे हैं। कोई भी इसके जरिए टीएमसी की मंशा समझ सकता है।

मायावती ने 33 से 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग की, कहा- एससी-एसटी को मिले अलग कोटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण को लेकर मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आज महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में पेश कर दिया गया है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई। कैबिनेट की बैठक के बाद इसे मंजूरी दी गई थी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस बिल का समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने आबादी के हिसाब से आरक्षण को 33 से 50 फ़ीसदी बढ़ाने की बात भी कही है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि इसमें एससी, एसटी/ओबीसी कोटा भी सुनिश्चित होना चाहिए।

मायावती ने कहा कि बीएसपी के साथ-साथ ज्यादातर पार्टियां महिला आरक्षण बिल के पक्ष में अपना वोट देंगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि चर्चा के बाद इस बार यह बिल पास हो जाएगा क्योंकि यह काफी समय से लंबित था। मैंने पहले संसद में अपनी पार्टी की ओर से कहा था कि महिलाओं की आबादी को ध्यान में रखते हुए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को प्रस्तावित 33प्र. के बजाय 50प्र. आरक्षण मिले। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस बारे में सोचेगी। उन्होंने कहा कि साथ ही महिला आरक्षण में ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं के लिए अलग कोटा सुनिश्चित किया जाए।

कर्नाटक हाई कोर्ट के जज ने कहा- सरकार को सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर उम्र सीमा निर्धारित करने पर विचार करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार को देश में सोशल मीडिया के उपयोग पर आयु सीमा लगाने पर विचार करना चाहिए। एक मौखिक टिप्पणी मेंअदालत ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए लोगों की उम्र कम से कम 21 होनी चाहिए। दो न्यायाधीशों की पीठ कुछ सोशल मीडिया खातों और ट्वीट्स को ब्लॉक करने के केंद्र के आदेश को दी गई चुनौती को खारिज करने के खिलाफ एक्स की अपील पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने पहले केंद्र सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया कंपनी की याचिका खारिज कर दी थी और आदेशों का पालन नहीं करने पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

सुनवाई के अंत में पीठ ने उल्लेख किया कि सोशल मीडिया के उपयोग पर आयु सीमा लगाना एक वरदान होगा। अदालत ने कहा कि सबसे अच्छा विकल्प सोशल मीडिया पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना होगा क्योंकि इससे बहुत कुछ अच्छा होगा। इसमें कहा गया है, आज, स्कूल जाने वाले बच्चे इसके (सोशल मीडिया) इतने आदी हो गए हैं। मुझे लगता है कि इसमें आयु सीमा होनी चाहिए। यह मामला तब सामने आया जब केंद्र सरकार के वकील ने अदालत को बताया कि कानून में अब कुछ ऑनलाइन गेम तक पहुंचने से पहले उपयोगकर्ता के पास आधार और अन्य दस्तावेज होना आवश्यक है। अदालत ने तब पूछा कि ऐसी पहचान को सोशल मीडिया तक भी क्यों नहीं बढ़ाया जा रहा है।

तमिलनाडु में बीजेपी से एआईएडीएमके ने तोड़ा गठबंधन, अन्नामलाई का बयान बना रोडा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में एआईएडीएमके ने भाजपा से गठबंधन तोड़ दिया है। इसके पीछे अन्नामलाई का एक बयान बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार द्रविड़ नेता सीएन अन्नादुरई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ बढ़ी तनातनी के बीच ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) ने कहा कि उसका भाजपा के साथ अभी कोई गठबंधन नहीं है और इस विषय पर फैसला आगामी चुनावों के दौरान किया जाएगा। एआईएडीएमके ने स्पष्ट किया कि वह दिवंगत मुख्यमंत्री और अपने अन्य नेताओं का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकती। एआईएडीएमके ने भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई पर प्रहार करते हुए कहा वह केवल खुद का प्रचार करने के इच्छुक हैं और इसलिए दिवंगत द्रविड़ नेता अन्नादुरई, ईवी रामास्वामी पेरियार और एआईएडीएमके के दिवंगत नेता एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) और जे. जयललिता को निशाना बना रहे हैं। वहीं भाजपा ने कहा कि द्रविड़ पार्टी को अपने विकास के साथ-साथ अन्नामलाई जैसे युवा नेता के बढ़ते कद से समस्या है। गौरतलब है कि एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी द्वारा नई दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के कुछ दिन बाद यह घटनाक्रम हुआ।

एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता डी. जयकुमार ने अन्नादुरई की आलोचना के लिए अन्नामलाई पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता दिवंगत मुख्यमंत्री का अपमान सहन नहीं करेंगे। अन्नामलाई ने अतीत में दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता सहित एआईएडीएमके नेताओं के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी की थी। पूर्व मंत्री ने यहां भाजपा और इसकी प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अन्नामलाई एआईएडीएमके के साथ गठबंधन नहीं चाहते हैं, जबकि भाजपा कार्यकर्ता ऐसा चाहते हैं। क्या हमें अपने नेताओं की आलोचना बर्दाश्त करनी चाहिए। भाजपा यहां कदम नहीं रख सकती। आपको अपना वोट बैंक पता है। आप हमारी वजह से जाने जाते हैं।

इस पर रेड्डी ने कहा कि अन्नामलाई एक सिद्धांतवादी नेता हैं, वह भ्रष्टाचार या गलत नीतियों के लिए झुक नहीं सकते। वह सिर्फ किसी ऐतिहासिक घटना का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अन्नामलाई ने अन्नादुरई की काफी तारीफ भी की है। उन्हें भाजपा की प्रगति और पहचान तथा अन्नामलाई को युवाओं की प्रतिक्रिया पसंद नहीं है। संभवतः यह युग ऐसा है जहां हम नकली द्रविड़ विचारधारा से राष्ट्रवादी विचारधारा की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की जड़ें बहुत मजबूत हो रही हैं।

पांच साल पहले हुए दिल्ली बलात्कार मामले में अधिकांश संदिग्ध नाबालिग

-12वीं की छात्रा के बयानों पर पुलिस ने शुरु की जांच, पड़ोस में रहते हैं सभी आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच साल पहले एक स्कूली छात्रा से हुए बलात्कार मामले में पुलिस ने छानबीन तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार वरिष्ठ सरकारी अधिकारी प्रेमोदय खाखा के अनुसार दिल्ली किशोरी बलात्कार मामले में नए पहचाने गए कई संदिग्ध अभी भी नाबालिग हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़िता, जिसका कथित तौर पर पांच साल पहले यौन उत्पीड़न किया गया था। लड़की ने हाल ही में एक परामर्श सत्र के दौरान यह खुलासा किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच चल रही है। उसने जिन लोगों के नाम लिए हैं उनमें से अधिकांश उसके आयु वर्ग के हैं और उसके पड़ोस में रहते हैं। उसकी शिकायत के आधार पर यौन उत्पीड़न के लिए एक प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों से भी पूछताछ की है, इनमें से अधिकांश अभी भी नाबालिग हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में पुलिस को सीआरपीसी की धारा 161 के तहत दर्ज किए गए नाबालिग के बयान के आधार पर एक नया मामला दर्ज करने का निर्देश दिया, इसके बाद एक नई प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय टिर्की ने कहा था कि जांच के दौरान, शिकायतकर्ता ने खुलासा किया कि जब वह 2018-2020 के बीच न्यू उस्मानपुर इलाके में अपने परिवार के साथ रह रही थी, तो कुछ लोगों ने उसका यौन उत्पीड़न किया था। नवंबर 2020 से जनवरी 2021 के बीच नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार भी किया गया। जैसा कि मामले से परिचित सूत्रों ने खुलासा किया है, पीड़िता, जो उस समय सिर्फ 14 साल की थी।

पीड़िता के अनुसार उसे 31 अक्टूबर, 2020 को कथित तौर पर नशीला पदार्थ खिलाकर खाखा द्वारा प्रारंभिक हमले का सामना करना पड़ा था। पीड़िता वर्तमान में 12वीं कक्षा की छात्रा है। उसने हाल ही में सेंट स्टीफंस अस्पताल में एक परामर्शदाता के साथ अपनी आपबीती साझा की, जहां उसे चिंता के दौरे के कारण भर्ती कराया गया था। उसके खुलासे के बाद, कानून प्रवर्तन ने उसकी शिकायत पर कार्रवाई की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत पांडेसरा में 4 अजनबियों ने कपड़ा मिल में काम करने वाले एक युवक की चप्पुओं से मारकर हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हत्या की एक वारदात सामने आई है. पांडेसरा इलाके में अज्ञात हमलावर द्वारा 40 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या करने की घटना से हड़कंप मच गया है। फिलहाल पांडेसरा पुलिस ने केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरूकर दी है.

पांडेसरा इलाके में 40 साल के युवक की हत्या की घटना सामने आई है. जानकारी के मुताबिक, गुरुकृप्पा इंडस्ट्रीज के पास क्लुवा नाम के शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है. 4 अज्ञात लोगों ने युवक पर चप्पू से हमला कर उसकी हत्या कर दी. युवक मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और पिछले 22 साल से पांडेसरा गणेश नगर में एक कपड़ा मिल में काम कर रहा था।

कल छुट्टियाँ होने के कारण दोस्तों के साथ बाहर गया था। फिर परिजनों ने उसके दोस्तों पर हत्या की आशंका जताई है. बहरहाल, पुलिस ने शव को पीएम अर्थ में रखवा दिया है और पूरे मामले में आगे की जांच कर रही है.

जमीन या फ्लैट हड़पने के लिए सक्रिय हुआ एक खास गिरोह

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर अब दिन-ब-दिन अपराध की ओर बढ़ता जा रहा है। आम आदमी से लेकर बिल्डर स्तर तक के व्यक्ति का जीना हराम हो गया है। सूरत शहर में वैध जमीन या फ्लैट हड़पने के लिए एक खास गिरोह सक्रिय हो गया है। ये गिरोह बिल्डर के वैध भूखंडों पर कब्जा करने सहित बिल्डर द्वारा बनाए गए फ्लैटों में जबरन कब्जा कर रहे हैं।

ऐसा ही एक मामला हाल ही में सामने आया है. जिसमें सूरत के अडाजण इलाके में रहने वाले एक बिल्डर को ऐसी ही परेशानी का सामना

बिल्डर ने लगाया बड़ा आरोप

करना पड़ रहा है. गिरोह ने दो दर्जन से अधिक फ्लैट समेत जमीन हड़प ली और बिल्डर के समक्ष झूठी शिकायत दर्ज कराकर उसे जेल भेज दिया।

हालांकि, इस बिल्डर ने अपनी प्रॉपर्टी को इस गिरोह के चंगुल से छुड़ाने के लिए हाई कोर्ट में अर्जी दी. हाई कोर्ट ने भले ही बिल्डर के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन गिरोह उसके घर पहुंचकर जान से मारने की धमकी दे रहा है। तो बिल्डर ने थक हार कर आखिरकार गुजरात सरकार का दरवाजा खटखटाया और मुख्यमंत्री के सामने पेश हुआ. हालांकि, मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिये हैं.

खास बात यह है कि मुख्यमंत्री स्तर से निर्देश के बावजूद बिल्डर अपना काम छोड़कर गांधीनगर सचिवालय के आसपास घूमता नजर आ रहा है, क्योंकि स्थानीय सिस्टम ने अभी तक बिल्डर को न्याय दिलाने के लिए कार्रवाई नहीं की है.

एसीबी की जाल में फंसा तलाटी कम मंत्री, रु 3500 की रिश्वत लेते रंगे हाथ धरा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पंचमहल,एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) रिश्वतखोर सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही है, इसके बावजूद कुछ लोग फिर भी नहीं सुधर रहे। एसीबी ने पंचमहल जिले में एक तलाटी कम मंत्री को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पंचमहल जिले की कालोल तहसील के कणेटिया ग्राम पंचायत के तलाटी विठ्ठल घनश्यामभाई सोलंकी को एसीबी ने उस वक्त रंगे हाथ धरदबोचा जब वह रु 3500 की रिश्वत ले रहा था। तलाटी ने दो मकानों के निर्माण पूर्ण होने के बाद उसकी आकारणी कर रजिस्टर में दर्ज करने के एवज में रु 7 हजार की रिश्वत मांगी थी। हांलाकि शिकायतकर्ता तलाटी को रिश्वत देना नहीं चाहता था, इसलिए उसने एसीबी से संपर्क किया। रिश्वतखोर तलाटी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए एसीबी ने जाल बिछाया। इसके अंतर्गत कालोल मलाव चौराहे पर चाय-नाश्ते की एक दुकान पर रिश्वत की रकम लेकर शिकायतकर्ता को बुलाया था। जहां एसीबी ने तलाटी विठ्ठल सोलंकी को रु 3500 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी।